①

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय
इन्दौर

बी.ए.बी.एड. तृतीय सेमेस्टर

सत्र :— 2024—25

5/12/24 05.12.24 05-12-2024

DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA, INDORE
SUBJECT: EDUCATION: Marks Distribution of B. A. B. Ed. Four Years Integrated Course
B. A. B. Ed. III Semester

Section	Paper	Subject	Total Marks	External Marks		Exam. Pattern	Internal Marks		Marks Distribution	Remarks
				Max	Min		Max	Min		
Foundation Part	F-1 F-2	Moral Values and Language-I Development of Entrepreneurship-I	75 75	50 50	20 20	Written Exam. By the University	25 25	10 10	Attendance-5 1st Test-5, 2nd Test-5, Asignment-10 (Assignments/ Presentations/ Tests)	
Arts Part	A-1 A-2 A-3	Pol. Sc., Hist., Eco., Hindi, Eng., Soc., Geo. Psy., ... etc. (Any three subjects from given list) (In case of Geography and/or Psychology, practical work will be conducted separately)	100 100 100	70 70 70	28 28 28		30 30 30	12 12 12	Attendance-5 1st Test-5, 2nd Test-10, Asignment-10 (Assignments/ Presentations/ Tests)	
Education Part	CC-5	Gender School and Society	100	75	30		25	10	Attendance-5 1st Test-5, 2nd Test-5, Asignment-10 (Assignments/ Presentations/ Tests)	
		Total	550							
		PRACTICAL PART							PRACTICAL PART	
Arts Part	Practical-1	Psychology Practical-I	100	70	28	Viva Voce/ Record file/ Table work/ Experiment/ Practical (External examiner will be assigned by the University)	30	12	Attendance-5 1st Test-5, 2nd Test-10, Asignment-10 (Assignments/ Presentations/ Tests/Visits)	
	Practical-2	Geography Practical -I	100	70	28		30	12		
Education Part	EPC-1	Reading and Reflection on Text	50	35	14		15	06	Attendance-5 1st Test-5, 2nd Test-5	
		Total	800							
		Theory Total	600/700/ 800							

Chairman (BOS)
01-10-2024

HEAD
School of Education
Devi Ahilya Vishwa Vidyalaya
INDORE

आधार पाठ्यक्रम प्रथम प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा –

(भाग–ए)परिचय				
	कार्यक्रम : यू.जी. लेवल डिप्लोमा	कक्षा : बी.ए./बी.कॉम./बी.एससी./बी.एच.एससी./बी.सी.ए. द्वितीय वर्ष बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर	वर्ष–2022	सत्र 2024-25
क्रं	विषय	आधार पाठयक्रम		
1	कोर्स कोड	**X2-FCEA1T**		
2	कोर्स का शीर्षक	भाषा और संस्कृति		
3	कोर्स का प्रकार	आधार पाठयक्रम		
4	कोर्स अपेक्षित	स्नातक प्रथम वर्ष उत्तीर्ण किसी भी विषय समूह से।		
5	कोर्स अधिगम उपलब्धि (लर्निंग आउटकम) (CLO)	1.भारतीय ज्ञान पंम्परा से विद्यार्थियों को अवगत एवं लाभान्वित करना। 2.उत्कृष्ट साहित्यिक पाठों के अध्ययन से रुचि का विकास करना। 3. सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय भावना का विकास करना। 4. भाषा – ज्ञान । 5. सामान्य शब्दावली और विशेष शब्दावली के अध्ययन द्वारा भाषा एवं संस्कृति बोध का विकास करना। 6. विशिष्ट शब्दावली (बीज शब्द / की वर्ड) से परिचित करवाते हुए बोध के स्तर को विकसित करना।		
6	क्रेडिट मान	02 क्रेडिट		
7	कुल अंक	50 अंक		
8	उत्तीर्ण अंक	17 अंक		
9	समय	1 घंटा		

05.12.24 5.12.2024 5.12.24

व्याख्यान की कुल संख्या : वर्ष में अधिकतम 15 घंटे

(भाग–बी) कोर्स सामग्री		
इकाई	विषय	व्याख्यान घंटा
I	1.समसामयिक सन्दर्भःश्रीमद्भगवद्गीता–कर्मयोग 2.सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : परिचय पाठ : जागो फिर एक बार (दो) (कविता) 3. अमरकान्त : परिचय पाठ : दोपहर का भोजन (कहानी) 4. महादेवी वर्मा : परिचय पाठ : गिल्लू (रेखाचित्र)	05
II	1. हजारी प्रसाद द्विवेदी : परिचय पाठ : नाखून क्यों बढ़ते हैं (ललित निबन्ध) 2. मध्य प्रदेश की लोककलाएँ (संकलित) 3. मध्य प्रदेशकालोकसाहित्य (संकलित्)	05
III	1. मुहावरे और कहावतें (भाषा) 2. समास : परिभाषा और भेद (शब्द–रचना / व्याकरण) 3. बीज शब्द (**Key Words** / अवधारणा मूलक शब्द) उद्योग; सभ्यता; संस्कृति; शिक्षा; सूचना–समाज।	05
सार बिंदु (की वर्ड) टैग		
सर्च करें :–		
सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला	जागो फिर एक बार (कविता कोश)	
अमरकान्त	दोपहर का भोजन	
महादेवी वर्मा	गिल्लू (गद्य कोश)	
हजारी प्रसाद द्विवेदी	नाखून क्यों बढ़ते हैं (गद्य कोश)	
उद्योग		
सभ्यता		
संस्कृति		
शिक्षा		
सूचना–समाज		
मुहावरे और कहावतें		
समास परिभाषा और भेद (शब्द रचना / व्याकरण)		

5/12/24 5.12.24 05.12.24

(भाग–सी)

अनुशंसित अध्ययन संसाधन

क्र	पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन
1	मध्यप्रदे ा हिन्दी ग्रंथ अकादमी से प्रका ात पुस्तकें
2	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : राग–विराग, संपादक डॉ. रामविलास शर्मा लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3	अमरकान्त प्रतिनिधि कहानियों, राजकमल प्रकाशन, द्वितीय संस्करण
4	महादेवी वर्मा : मेरा परिवार, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, उ.प्र. 1972
5	हजारी प्रसाद द्विवेदी : कल्प लता निबंध संग्रह राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नईदिल्ली 2007
6	डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद : आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, भारती भवन, ठाकुर बाडी रोड, पटना, बिहार
7	डॉ. राजेश्वर चतुर्वेदी : हिन्दी व्याकरण, उपकार प्रकाशन, आगरा, उ.प्र.
8	गेपाल भार्गव : मध्यप्रदेश कला एव संस्कृति, कल्पज प्रकाशन, नईदिल्ली 2011
9	हिन्दी ज्ञान कोश
10	अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक
	1.www.wikipidiya.org
	2.www.egyankosh.ac.in
	3.www.youtube.com
	4.https://epgp.inflibnet.ac.in
	5.hindiwi.org
	6.Kavitakosh.org
	7.https://svayam.gov.in/

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 50

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 50

आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	कुल अंक 50
समय -02.00 घंटे	न्यूनतम अंक **17**

05.12.24 5-12-24 5/12/24

अध्यक्ष

आधार पाठ्यक्रम

केंद्रीय अध्ययन मण्डल भोपाल (म.प्र.)

Part A : Introduction				
Program: DIPLOMA	Class: बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर		Year: II	Sessions: 2024-25
Subject: Entrepreneurship Development				
1.	Course code		X2-FCAC1T	
2.	Course Title		Entrepreneurship Development	
3.	Course Type (Core/Electric/Generic/Elective/Vocational/...)		Foundation	
4.	Pre-requisite (if any)		-	
5.	Course learning outcomes (CLO)		This course introduces the students to the basics of entrepreneurship and small business management. Students gain an understanding of how to establish and manage a small business. • Helps in building the skills, framework and knowledge of entrepreneurship and new venture creation. • Helps the students in understand the importance of the planning process and learn how to develop, write and present an effective business plans for a new venture.	
6.	Credit Value		02	
7.	Total Marks		Max Marks: 50	Min Marks: 17

5.12.24

05.12.24

8/12/24

Part B: Content of the course Total Lectures: 30 Hours
Topics
1.Introduction: **Entrepreneurship Development** – Concept, types and Importance of entrepreneurs and significance of entrepreneurship in economic development, Startup process • Need, Problems, Challenges and solutions- women entrepreneurship and rural entrepreneurship • **Report preparation:** Profiling of entrepreneurs after visiting Small Scale Entrepreneurs
2. Sources of Business Ideas And Tests of Feasibility: • Generation of startup ideas, Innovation vs Creativity • Significance of writing the business plan/ project proposal; Contents of business plan/ project proposal/DPR (Detail Project Report) • Project submission/ presentation and appraisal thereof by external agencies, such as financial /non-financial institutions.
3. Regulatory Institutions and Schemes: • **Role of Regulatory Institutions;** ➢ Micro, Small & Medium Enterprises, ➢ District Industries Centers ➢ Khadi and Village Industries Commission ➢ National Small Industries Corporation ➢ Small Industries Development Bank of India • Commercial banks and various Self Employment Oriented grant and schemes; • The concept, role and functions of self-help groups, business incubators, angel investors, venture capital and private equity fund in startup ideas.

Key Words: Entrepreneurship, Entrepreneurship Development, Startup, Women Entrepreneurship, Business Plan, Detail Project Report.

5-12-24

05.12.24

5/12/24

Part C: Learning resources

Text books, reference books and other resources

Suggested Readings:

1. Kuratko and Rao, Entrepreneurship: A South Asian Perspective, Cengage Learning.
2. Robert Hisrich, Michael Peters, Dean Shepherd, Entrepreneurship, McGraw-Hill Education
3. Desai, Vasant. Dynamics of Entrepreneürial Development andManagement. Mumbai, Himalaya Publishing House.
4. Dollinger, Mare J. Entrepreneurship: Strategies and Resources. Illinois, Irwin.
5. Holt, David H. Entrepreneurship: New Venture Creation. Prentice-Hall of India, New Delhi.
6. Plsek, Paul E. Creativity, Innovation and Quality. (Eastern Economic Edition), New Delhi: Prentice-Hall of India. ISBN-81-203-1690-8.
7. Singh, Nagendra P. Emerging Trends in Entrepreneurship Development. New Delhi: ASEED.
8. SS Khanka, Entrepreneurial Development, S. Chand & Co, Delhi.
9. K Ramachandran, Entrepreneurship Development, McGraw-Hill Education

Online or web resources:

https://www.kviconline.gov.in/
https://msme.gov.in/
http://www.slbcmadhyapradesh.in/frontmarquee/571e2722-f3ec-4b82-8591-5b4721dff44e-AtmaNirbhar%20Bharat%20Full%20Presentation_compressed.pdf
T, Rama Devi (2017) retrieved fromhttps://www.worldwidejournals.com/global-journal-for-research-analysis-GJRA/special_issues_pdf/September_2017_1507115725_62.pdf

Part D: Assessment / Evaluation

Maximum marks: 50
University Exam: 50

5.12.24

05.12.24

5/12/24

खण्ड–अ			
प्रोग्राम : DIPLOMA	कक्षा– बी.एस.सी./बी.कॉम./बी.ए./ बी.एच.एस.सी. f बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर	वर्ष	सत्र 2024-25

विषय : उद्यमिता विकास

1	विषय क्रमांक	X2-FCAC1T	
2	पाठ्यक्रम का विषय	उद्यमिता विकास	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (कोर/इलेक्ट्रिक/जेनेरिक/इलेक्टिव/वोकेशनल	आधार	
4	पूर्व आवश्यकता (यदि कोई हो)		
5	पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम	यह पाठ्यक्रम छात्रों को उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय में प्रबंध के मूल आधार से परिचय कराता है। छात्र एक लघु व्यवसाय को स्थापित करने एवं उसका प्रबंध करने की समझ का लाभ उठाते है • उद्यमिता के कौशल निर्माण, ढॉचे एवं ज्ञान के निर्माण में सहायता एवं नये उद्यम की स्थापना। • छात्रों को इसकी समझ में सहायता के साथ इसके महत्व, योजना विधि एवं सीखने की प्रक्रिया को विकसित करना, नये उद्यम को स्थापित करने की प्रभावी योजना को लिखना एवं उसका प्रस्तुतिकरण करना।	
6	क्रेडिट वेल्यू	02	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक 50	न्यूनतम अंक : 17

5.12.24 05.12.24 5.12.24

खण्ड–ब – पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
कुल व्याख्यान – 30 घण्टे विषय
परिचय : उद्यमिता विकास – • संकल्पना, उद्यमियों के प्रकार और महत्व, आर्थिक विकास में उद्यमियों का योगदान,नये उद्यम स्थापना की प्रक्रिया। • आवश्यकता, समस्या, चुनौतियां और समाधानः महिला उद्यमिता एवं ग्रामीण उद्यमिता • रिपोर्ट तैयार करना – लघु उद्योगों का भ्रमण करने के पश्चात उसकी रिपोर्ट तैयार करना।
व्यवसाय विचारों के स्त्रोत और व्यवहार्यता का परीक्षण : • नये उद्यम स्थापित करने का विचार, नवाचार बनाम रचनात्मकता • व्यवसाय योजना लिखने का महत्व। परियोजना प्रस्तावः व्यापार योजना की सामग्री/परियोजना प्रस्ताव / डीपीआर, (विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन) • परियोजना जमा/प्रस्तुत करना एवं बाहरी एजेन्सियों द्वारा उनका मूल्यांकन जैसे – वित्तीय और गैर वित्तीय संस्थान
नियामक संस्थाएं एवं योजनाएं :–
• नियामक संस्थाओं की भूमिका : सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग जिला उद्योग केन्द्र खादी और ग्रामोद्योग आयोग राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक वाणिज्यिक बैंक और विभिन्न स्वरोजगार उन्मुख और अनुदान योजनाएं • स्टार्टअप विचारों में स्वयं सहायता समूहों, व्यापार इन्क्यूबेटरों, द्रुत निवेशकों, साहस और पूंजी और निजी इक्विटी फण्ड की अवधारणा, भूमिका एवं कार्य

महत्वपूर्ण शब्दः उद्यमिता, उद्यमिता विकास, स्टार्टअप, महिला उद्यमिता, व्यवसाय योजना, विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन।

5.12.24

05.12.24

खण्ड–स – पाठ्यक्रम की सामग्री

पाठ्य पुस्तक/ संदर्भ पुस्तक और अन्य संसाधन

Suggested Readings:

1. Kuratko and Rao, Entrepreneurship: A South Asian Perspective, Cengage Learning.
2. Robert Hisrich, Michael Peters, Dean Shepherd, Entrepreneurship, McGraw-Hill Education
3. Desai, Vasant. Dynamics of Entrepreneurial Development and Management. Mumbai, Himalaya Publishing House.
4. Dollinger, Mare J. Entrepreneurship: Strategies and Resources. Illinois, Irwin.
5. Holt, David H. Entrepreneurship: New Venture Creation. Prentice-Hall of India, New Delhi.
6. Plsek, Paul E. Creativity, Innovation and Quality. (Eastern Economic Edition), New Delhi: PrenticeHall of India. ISBN-81-203-1690-8.
7. Singh, Nagendra P. Emerging Trends in Entrepreneurship Development. New Delhi: ASEED.
8. SS Khanka, Entrepreneurial Development, S. Chand & Co, Delhi.
9. K Ramachandran, Entrepreneurship Development, McGraw-Hill Education

Online or web resources:

https://www.kviconline.gov.in/
https://msme.gov.in/
http://www.slbcmadhyapradesh.in/frontmarquee/571e2722-f3ec-4b82-8591-5b4721dff44e AtmaNirbhar%20Bharat%20Full%20Presentation_compressed.pdf
T, Rama Devi (2017) retrieved fromhttps://www.worldwidejournals.com/global-journal-for research-analysis-GJRA/special_issues_pdf/September_2017_1507115725__62.pdf

खण्ड–द आंकलन / मूल्यांकन

Maximum marks: 50
University Exam: 50

5.12.24

5/12/24

05.12.24

Format for Syllabus of Theory Paper

Part A Introduction		
Program: Diploma	Cla बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर	Session: 2024-25

Subject: Political Science

1	Course Code	A2POSC1T
2	Course Title	Western Political Thought
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Core Course
4	Pre-requisite (if any)	To study this course, a student must have passed certificate course in First Year.
5	Course Learning outcomes (CLO)	1. The students will understand the significance of study of Political Philosophy. 2. The students will know the key ideas of Greek Political thinkers Plato and Aristotle 3. They will be able to explain what was the ideal state according to Plato and how was it linked to his scheme of education and theory of justice. 4. They will be able to answer how Aristotle differed from his master Plato on the conception of justice. 5. They will be able to answer why Machiavelli is called the child of his age. 6. They will be able to answer how and why Machiavelli gave an overriding priority to pragmatism above ethics and values in operation of statecraft. 7. They will be able to make a distinction among Hobbes, Locke, and Rousseau on the state of nature, the law of nature, nature and form of contract and the emergence of state from the contract. 8. Students would learn the key ideas of idealist thinkers 9. Students would learn the key ideas in Marxism and will be able to answer the Socialist and communist tradition after Marx in Political ideas of Lenin and Laski.
6	Credit Value	6
7	Total Marks	Max. Marks: 30+70 / Min. Passing Marks:35

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures (in hours per week): 6 Lectures per week

Unit	Topics	No. of Lectures
1	**Greek Political Thought** • Plato 1. Theory of Justice 2. Theory of Education 3. Theory of Communism 4. Philosopher King 5. The Ideal State	18

5/12/24   5.12.24   05.12.24

Dr. J. C. SINHA
Professor,
(Political Science)

	• Aristotle's views on: 1. State, 2. Slavery, 3. Citizenship 4. Classification of Government 5. Revolution	
2	**Modern Political Thought** • Niccolò Machiavelli 1. First Modern Political Thinker: The child of his time 2. Conception of Human Nature 3. Thoughts about Religion and Morality 4. Ideas on the Prince • Thomas Hobbes 1. Social Contract Theory 2. Individualism • John Locke 1. Social Contract Theory 2. Theory of Natural Rights 3. Liberalism • Jean Jacques Rousseau 1. Social Contract Theory 2. Theory of General Will	20
3	**Philosophy of Utilitarianism** • Jeremy Bentham 1. Utilitarianism 2. Natural laws and Rights 3. Theory of Stateand Legislation 4. Theory of Punishment and Reform (Prison, Government, Law, Education and Religion) 5. Contribution to Political Thought • John Stuart Mill 1. Alteration in Utilitarianism 2. Views on Liberty 3. Representative Government Contribution to Political Thought	16
4	**Idealism in Political Philosophy** • Immanuel Kant 1. Philosophy of Ethics 2. Views on theory of State, Forms of Government and International peace • George W.F. Hegel 1. Dialectical Method 2. Views on Nation State, Internationalism and War 3. Views on Government and Constitution • Thomas Hill Green 1. Views on Freedom 2. Views on Rights 3. Views on State 4. Views on General Will	18

5.12.24 05.12.24 5/12/24 Dr. J. C. SINHA Professor, (Political Science) ... P.G. College, JHABUA

5	• Karl Marx- Scientific Socialism 1. Dialectical Materialism 2. Economic Interpretation of History 3. Theory of Class Struggle 4. Theory of Surplus Value • Vladimir Lenin 1. Development of Marxist Theory 2. As a revolutionary • Harold J. Laski 1. Views on Liberty, Rights and equality 2. Democratic Socialism	18

Keywords/Tags: Justice, Communism, Slavery, Prince, Individualism, Liberalism, General Will, Utilitarianism, Liberty, Ethics, Internationalism, Dialectics, Surplus value, Socialism

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Brian R. Nelson, Western Political Thought: from Socrates to the Age of Ideology 2nd edition, Pearson
2. Barker, E. (1959). The Political Thought of Plato and Aristotle. New York: Dover Publications.
3. Mukherjee, S., &Rama swami, S. (2004). A History of Political Thought. Delhi: Prentice Hall of India.
4. Sabine, G. H. (1973). A History of Political Theory. New Delhi: Oxford and I.B.H. Publishing.
5. Morrow, J. (2005). History of Western Political Thought: A Thematic Introduction. Palgrave.
6. Sharma S.K. and Sharma Urmila- Western Political Thought Vol-I and Vol. II, Atlantic Publishers New Delhi
7. Wayper, C.L. 1958, Political thought English, University Press, ltd. London.
8. Petit 2008 :105- Made with words-Hobbes of language, mind and Politics' Princeton.
9. Tuck, Richard 1993: Philosophy and Government 1572-1651, Cambridge University Press.
10. Jones W.T. 1960:Masters of Political thought vol-II, Houghton Mifflin Co, Boston.
11. Suda J.P., 1989 History of Political Thought, Vol I, II and IIrd K. Nath and Co. Meerut.
12. GaubaO.P. (2019), Western Political Thought, Mayur Paperbacks Noida
13. प्रभुदत्त शर्मा – पाश्चात्य राजनीतिक विचारकों का इतिहास (प्लेटो से मार्क्स)
14. प्रभुदत्त शर्मा – आधुनिक राजनीतिक विचारकों का इतिहास(बेंथम से अब तक)
15. ओम प्रकाश गाबा- पाश्चात्य राजनीतिक विचारक

Suggested equivalent online courses:

Online course-Indian constitution- Swayam

https://www.classcentral.com>course

5/12/24

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) :30 marks University Exam (UE) 70 marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):30	3 Class Test 1Assignment/Presentation/Quiz Best Three must be considered	30

5.12.24

Dr. J. C. SINHA
Professor,
(Political Scince)

External Assessment: University Exam Section: 70 Time : 03.00 Hours	**Section (A):** [illegible] **Section (B):** [illegible] Each) **Section (C):** [illegible]	[illegible] Total-70
Any remarks/ suggestions:		

Note: Please include the Tutorial related information (if any) in this format.

5.12.24

05.12.24

5/12/24

Dr. J. C. SINHA
Professor,
(Political Science)
Govt. P.G. College, JHABUA

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ –परिचय		
कार्यक्रम: डिप्लोमा		कक्षा: बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर वर्ष: 2024-25
विषय: राजनीति विज्ञान		
1	पाठ्यक्रम का कोड	A2POSC1T
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	पाश्चात्य राजनीतिक विचार
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र-छात्राओं को प्रथम वर्ष में प्रमाण-पत्र में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. विद्यार्थी राजनीतिक दर्शन के अध्ययन के महत्व को समझेंगे। 2. वे यूनानी राजनीतिक विचारकों प्लेटो और अरस्तू के प्रमुख विचारों को समझ सकेंगे। 3. वे यह समझने में सक्षम होंगे कि प्लेटो के अनुसार आदर्श राज्य क्या था और यह उनकी शिक्षा की योजना और न्याय के सिद्धांत से कैसे जुड़ा हुआ था। 4. वे जवाब देने में सक्षम होंगे कि अरस्तू न्याय की अवधारणा पर अपने गुरु प्लेटो से कैसे अलग था। 5. वे जवाब देने में सक्षम होंगे कि मैकियावेली को अपने युग का शिशु क्यों कहा जाता है। 6. वे जवाब देने में सक्षम होंगे कि कैसे और क्यों मैकियावेली ने राज्य के संचालन में नैतिकता और मूल्यों के ऊपर व्यावहारिकता को प्राथमिकता दी। 7. वे प्राकृतिक अवस्था ,प्राकृतिक कानून ,समझौतेके स्वरूप व प्रकार एवं समझौते से राज्य के उद्भव पर हॉब्स ,लॉक और रूसो के विचारों के मध्य अंतर को समझने में सक्षम होंगे। 8. वे आदर्शवादी विचारकों के प्रमुख विचारों को समझ सकेंगे। 9. वे मार्क्सवाद में प्रमुख विचारों को समझ सकेंगे एवं मार्क्स के बाद लेनिन व लास्की के राजनीतिक विचारों में समाजवादी और कम्युनिस्ट परंपरा से जुड़े प्रश्नों का उत्तर देने में सक्षम होंगे।
6	क्रेडिट मान	6

5/12/24

5-12-24

Dr. J. C. SINHA
Professor,
(Political Science)

7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह घंटे में): 6 व्याख्यान प्रति सप्ताह
कुल व्याख्यान – 90 घंटे

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	यूनानी राजनीतिक विचार • प्लेटो 1. न्याय का सिद्धांत 2. शिक्षा का सिद्धांत 3. साम्यवाद का सिद्धांत 4. दार्शनिक राज्य 5. आदर्श राज्य • अरस्तू के विचार 1. राज्य 2. दासता 3. शासन का वर्गीकरण 4. नागरिकता 5. क्रांति	18
2	आधुनिक राजनीतिक विचारक • निकोलोमैकियाविली 1. प्रथम आधुनिक राजनीतिक विचारक: अपने युग का शिशु 2. मानव स्वभाव संबंधी विचार 3. धर्म और नैतिकता संबंधी विचार 4. राज्य या राजकुमार पर विचार • थॉमसहाब्स 1. सामाजिक समझौता सिद्धान्त 2. व्यक्तिवाद • जॉनलॉक 1. सामाजिक समझौता सिद्धांत 2. प्राकृतिक अधिकारों का सिद्धांत 3. उदारवाद • जीनजेक्सरूसो 1. सामाजिक समझौता सिद्धांत 2. सामान्य इच्छा का सिद्धांत	20

Dr. J. C. SINHA
Professor,
(Political Science)
Govt. P.G. College, JHABUA

3	उपयोगितावाद का दर्शन • जेरेमीबेन्थम 1. उपयोगितावाद 2. प्राकृतिक कानून और अधिकार 3. राज्य और विधायन का सिद्धांत 4. दंड और सुधार का सिद्धांत (जेल, सरकार, कानून, शिक्षा और धर्म) 5. राजनीतिक चिंतन में योगदान • जॉन स्टुअर्टमिल 1. उपयोगितावाद में परिवर्तन 2. स्वतंत्रता संबंधी विचार 3. प्रतिनिधि सरकार 4. राजनीतिक चिंतन में योगदान	20
4	राजनीतिक दर्शन में आदर्शवाद • इमानुएल कांट 1. नैतिकता का दर्शन 2. राज्य के सिद्धांत, सरकार के रूपों और अंतर्राष्ट्रीय शांति पर विचार • जॉर्ज डब्ल्यू. एफ. हीगल 1. द्वंद्ववाद 2. राष्ट्र-राज्य,अन्तर्राष्ट्रीयतावाद एवं युद्ध संबंधी विचार 3. सरकार एवं संविधान पर विचार • थॉमस हिलग्रीन 1. स्वतंत्रता पर विचार 2. अधिकार पर विचार 3. राज्य पर विचार 4. सामान्य इच्छा पर विचार	18
5	• कार्लमार्क्स- वैज्ञानिक समाजवाद 1. द्वंद्वात्मक भौतिकवाद 2. इतिहास की आर्थिक व्याख्या 3. वर्ग संघर्ष का सिद्धांत 4. अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत	14

5/12/24

5-12-24

Dr. J. C. SINHA
Professor,
(Political Science)

19

	• व्लादिमिरलेनिन 1. मार्क्सवादी सिद्धांत का विकास 2. एक क्रान्तिकारी के रूप में • हेराल्ड लास्की 1. स्वतत्रता, अधिकार और समानता पर विचार 2. लोकतांत्रिक समाजवाद	

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: न्याय ,उदारवाद ,व्यक्तिवाद ,राजकुमार ,दासता ,साम्यवाद ,सामान्य इच्छा ,, अधिशेष ,द्वंद्वात्मकता ,अंतर्राष्ट्रीयतावाद ,नैतिकता ,स्वतंत्रता ,उपयोगितावाद मूल्य समाजवाद

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. Brian R. Nelson, Western Political Thought: from Socrates to the Age of Ideology 2nd edition, Pearson
2. Barker, E. (1959). The Political Thought of Plato and Aristotle. New York: Dover Publications.
3. Mukherjee, S., & Rama swami, S. (2004). A History of Political Thought. Delhi: Prentice Hall of India.
4. Sabine, G. H. (1973). A History of Political Theory. New Delhi: Oxford and I.B.H. Publishing.
5. Morrow, J. (2005). History of Western Political Thought: A Thematic Introduction. Palgrave.
6. Sharma S.K. and Sharma Urmila- Western Political Thought Vol-I and Vol. II, Atlantic Publishers New Delhi
7. Wayper, C.L. 1958, Political thought English, University Press, ltd. London.
8. Petit 2008 :105- Made with words-Hobbes of language, mind and Politics' Princeton.
9. Tuck, Richard 1993: Philosophy and Government 1572-1651, Cambridge University Press.
10. Jones W.T. 1960: Masters of Political thought vol-II, Houghton Mifflin Co, Boston.
11. Suda J.P., 1989 History of Political Thought, Vol I, II and IIrd K. Nath and Co. Meerut.
12. Gauba O.P. (2019), Western Political Thought, Mayur Paperbacks Noida
13. प्रभुदत्त शर्मा – पाश्चात्य राजनीतिक विचारकों का इतिहास (प्लेटों से मार्क्स)
14. प्रभुदत्त शर्मा – आधुनिक राजनीतिक विचारकों का इतिहास (बेंथम से अब तक)
15. ओ.पी. गाबा- पाश्चात्य राजनीतिक विचारक

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

Online course-Indian constitution

Swayam

https://www.classcentral.com>course

5/12/24

5-12-24

Dr. J. C. SINHA
Professor,
(Political Scince)
Govt. P.G. College, JHABU

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	03 कक्षा परीक्षण 01 असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण/क्विज़ तीन श्रेष्ठ को लिया जाए।	30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): अनुभाग (ब): अनुभाग (स):	कुल-70

कोई टिप्पणी/सुझाव:

Dr. J. C. SINHA
Professor,
(Political Science)
Govt. P.G. College, JHABUA

Format for Syllabus of Theory Paper

Part A Introduction		
Program: Diploma	Class: बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर	Session : 2024-25
Subject : History		

1	Course Code	A2-HIST-1T
2	Course Title	History of Medieval India (From 1206 - 1739 AD)
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Core Course Major-1
4	Pre-requisite (if any)	This course can be opted by any student who has passed BA I Year (Certificate Program) with Core paper History.
5	Course Learning outcomes (CLO)	After studying this paper, the students will be able to: • Present clear cut ideas about the consolidation of the Delhi Sultanate and contemporary Indian rulers. They will be able to give an analytical view of the various dynasties of the Delhi sultanate, which dominated the political and cultural landscape of that period for a long time. • Debate and discuss on the reign of Akbar and the conflicts and struggles with the Rajputs and Marathas. They will be able to explain with examples the causes of India's fragmentation and try to learn a lesson from the past.
6	Credit Value	06
7	Total Marks	Max. Marks: 30+70 / Min. Passing Marks:33

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : L-T-P : 3 H/W

Unit	Topics	No. of Lectures
I	Sultanate Period- Sources and Administration Sources of Medieval Indian History. Establishment and Consolidation of Delhi Sultanate : Slave Dynasty-Qutubuddin Aibak, Illtutmish, Razia and Balban, Khilji Dynasty : Jalaluddin and Alauddin Khilji - His Conquests, Administration and Reforms. The Mongol Invasion and its Impact. Tughlak Dynasty : Mohammad Bin Tughlaq and Firozshah Tughlaq-Their Achievements.	18
II	Rise of Regional Kingdoms and Mughal Invasion Vijaynagar and Bahmani Kingdoms: Harihar-Bukka and Raja Krishnadev Rai. Gouri Dynasty of Malwa: Dilawar Khan and Hoshangshah -Their Achievements. The Roll of Rana Kumbha and Rana Sanga in Medieval Period. Mughal Invasion: Babur and Humayun -Their Achievements. Shershah Suri - Achievements and Administration.	18
III	Consolidation of Mughal Empire and Regional Powers Akbar: Administrative and Cultural Achievements. Jahangir and Shahjahan: Their Achievements. Rise of Marathas: Shivaji's Conquests and Administration. Mughal–Rajput Relations with special Reference to	18

(Dr. Jyotsna Agarwal) 5.12.24

	Rana Pratap. Mughal-Sikh Relation. Mughal–Bundela Relation with special Reference to Chhatrasal Bundela. Mughal–Gond Relation with Special Reference to Rani Durgavati. Aurangzeb and the Decline of Mughal Empire. Aurangzeb's Religious and Deccan Polices. Invasion of Nadirshah and its Impacts.	
IV	Society and Economy Economic Condition in Sultanate Period - Agriculture, Industries and Trade. Social Life of Sultanate Period and Status of women. Mughal Administration, Land Revenue System, Mansabdari and Jagirdari System. Social Life in the Mughal Period, Status of women. Economic Condition in Mughal Period - Agriculture, Trade, Industry and Commerce. Development of Literature in Medieval Period.	18
V	Religion and Culture Religious Life in Sultanate Period. Religious Life in Mughal Period. Bhakti Movement and Sufi Tradition. Saint Tradition in India: Guru Nanak, Kabir, Tulsidas, Meerabai, and Mahamati Pran Nath. Architecture of Sultanate Period. Architecture of Mughal Periods. Paintings of Mughal Style and Rajput Style. Roll of Noorjahan, Chand Bibi, and Jija Bai in History.	18

Keywords/Tags : Delhi, Sultanate, Slave, Khilji, Tughlaq, Mughal, Maratha, Sufi, Bhakti, Society, Economy, Religion, Culture and Architecture.

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings :

1. A.L Srivastava: Delhi Sultanate (English or Hindi Version), Shiv Lal Agarwal & Co., Agra, Reprint, 2017
2. A.L. Srivastva : The Mughal Empire (English or Hindi Version), Shiv Lal Agarwal & Co., Agra, Reprint, 2017
3. B.N.S Yadav : Society and Culture in North India in the 12th century. Raka Prakashan, Prayagraj, 2012
4. G.H. Ojha: Rajputane Ka Itihas,(Hindi) Vaidik Yantralaya, Ajmer, 1927
5. Ishwari Prasad : Medieval India (English or Hindi version) 4th ed., Digitized 2006
6. J.N Sarkar : Life and Times of Shivaji, Orient Blackswan Pvt. Ltd., New Delhi, 2010
7. K.N Chitnis : Socio- Economic History of Medieval India, Atlantic Publishers, 2018
8. Majumdar, Raychaudhary & Dutta : An Advanced History of India, Laxmi Publications, Delhi, 2016
9. Mohammad Habib and K.A. Nizami, ed. : Comprehensive History of India, Vol. V, The Delhi Sultanate, PPH, 1992
10. R.C.Majumdar & others (ed.): The History and Culture of the Indian People Vol. 6, The Delhi Sultanate, Bhartiya Vidya Bhawan, 2006
11. R.C.Majumdar & others (ed.): The History and Culture of the Indian People Vol. 7, The Mughal Empire, Bhartiya Vidya Bhawan, 2006
12. R.C.Majumdar & others (ed.): The History and Culture of the Indian People Vol. 8, The Maratha Supremacy, Bhartiya Vidya Bhawan, 2006
13. R.K Bhardwaj, Hemu: Life and times of Hemchandra Vikramaditya, Hope India Publications, Gurgaon, 2004

(Dr. Jyotsna Agarwal) 5.12.24 5/12

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

		भाग अ - परिचय
कार्यक्रम : डिप्लोमा		कक्षा बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर सत्र : 2024-25
		विषय : इतिहास
1	पाठ्यक्रम का कोड	A2-HIST-1T
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	मध्यकालीन भारत का इतिहास (1206 से 1739 ई.)
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स मेजर-1
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	बी.ए. प्रथम वर्ष (प्रमाणपत्र कार्यक्रम) इतिहास कोर प्रश्नपत्र के साथ उत्तीर्ण कोई भी विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम को चुन सकता है।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस प्रश्नपत्र का अध्ययन करने के बाद, विद्यार्थी सक्षम होंगे: • दिल्ली सल्तनत के सुदृढ़ीकरण और समकालीन भारतीय शासकों पर अपने स्पष्ट विचार प्रस्तुत कर पायेंगे। वे दिल्ली सल्तनत के विभिन्न राजवंशों, जिन्होंने उस काल के राजनीतिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य पर लम्बे समय तक आधिपत्य बनाये रखा, के बारे में विश्लेषणात्मक विचार प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे। • अकबर के शासन काल और मराठों एवं राजपूतों के संघर्षों पर वाद विवाद तथा चर्चा कर पायेंगे। वे सोदाहरण भारत के विखंडन के कारणों की व्याख्या करनें में सक्षम होंगे और अतीत से सबक सीखने का प्रयास करेंगे।
6	क्रेडिट मान	06
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70 | न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33

इकाई	भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) : 3 घंटे प्रति सप्ताह विषय	व्याख्यान की संख्या
प्रथम	सल्तनत काल स्रोत एवं प्रशासन मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्रोत। दिल्ली सल्तनत की स्थापना एवं सुदृढ़ीकरणः गुलाम वंश-कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश, रजिया एवं बलबन। खिलजी वंश, जलालुद्दीन एवं अलाउद्दीन खिलजी - उसकी विजयें, प्रशासन एवं सुधार। मंगोल आक्रमण और उसका प्रभाव। तुगलक वंश - मोहम्मद बिन तुगलक एवं फीरोजशाह तुगलक-उनकी उपलब्धियाँ।	18
द्वितीय	क्षेत्रीय राज्यों का उदय एवं मुगल आक्रमण विजयनगर और बहमनी साम्राज्यः हरिहर-बुक्का एवं राजा कृष्णदेव राय। मालवा का गौरी राजवंश - दिलावरखान एवं होशंगशाह - उनकी उपलब्धियाँ। मध्यकाल में राणा कुम्भा और राणा सांगा की भूमिका। मुगल आक्रमणः बाबर और हुमायूं की उपलब्धियाँ। शेरशाह सूरी - उपलब्धियाँ एवं प्रशासन।	18
तृतीय	मुगल साम्राज्य का सुढ़ीकरण एपं क्षेत्रीय शक्तियाँ अकबरः प्रशासनिक एवं सांस्कृतिक उपलब्धियाँ। जहांगीर एवं शाहजहाँ - उनकी उपलब्धियाँ।	18

5/12/24 (Dr. Jyotsna Agarwal) 5.12.24

	मराठों का उदयः शिवाजी की विजयें एवं प्रशासन। मुगल-राजपूत सम्बन्ध, राणा प्रताप के विशेष सन्दर्भ में। मुगल-सिक्ख सम्बन्ध। मुगल-बुन्देला सम्बन्ध, छत्रसाल बुन्देला के विशेष सन्दर्भ में। मुगल-गोंड सम्बन्ध, रानी दुर्गावती के विशेष सन्दर्भ में। औरंगजेब और मुगल साम्राज्य का पतन। औरंगजेब की धार्मिक एवं दक्षिण नीतियाँ। नादिरशाह का आक्रमण एवं उसका प्रभाव।	
चतुर्थ	समाज एवं अर्थ व्यवस्था सल्तनत काल में आर्थिक स्थिति - कृषि, उद्योग एवं व्यापार। सल्तनतकाल में सामाजिक जीवन एवं स्त्रियों की स्थिति। मुगल प्रशासन, भू-राजस्व व्यवस्था, मनसबदारी एवं जागीरदारी प्रणाली। मुगलकाल में सामाजिक जीवन, स्त्रियों की स्थिति। मुगलकालीन आर्थिक स्थिति - कृषि, उद्योग, व्यापार एवं वाणिज्य। मध्यकाल में साहित्य का विकास।	18
पंचम	धर्म एवं अर्थ संस्कृति सल्तनत काल में धार्मिक जीवन, मुगल काल में धार्मिक जीवन, भक्ति आन्दोलन और सूफी परम्परा। भारत में संत परम्परा-गुरू नानक, कबीर, तुलसीदास, मीराबाई एवं महामती प्राणनाथ। सल्तनत कालीन स्थापत्य, मुगल कालीन स्थापत्य। मुगल शैली एवं राजपूत शैली की चित्रकला। इतिहास में नूरजहाँ, चाँद बीबी और जीजाबाई की भूमिका।	18

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग : दिल्ली, सल्तनत, खिलजी, गुलाम/दास, खिलजी, तुगलक, मुगल, मराठा, सूफी, भक्ति, समाज, अर्थ, धर्म, संस्कृति एवं स्थापत्य।

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री :

1. A.L Srivastava: Delhi Sultanate (English or Hindi Version), Shiv Lal Agarwal & Co., Agra, 2017
2. A.L. Srivastva : The Mughal Empire (English or Hindi Version), Shiv Lal Agarwal & Co., Agra, Reprint, 2017
3. B.N.S Yadav : Society and Culture in North India in the 12th century. Raka Prakashan, Prayagraj, 2012
4. G.H. Ojha: Rajputane Ka Itihas,(Hindi) Vaidik Yantralaya, Ajmer, 1927
5. Ishwari Prasad : Medieval India (English or Hindi version) 4th ed., Digitized 2006
6. J.N Sarkar: Life and Times of Shivaji, Orient Blackswan Pvt. Ltd., New Delhi, 2010
7. K.N Chitnis: Socio- Economic History of Medieval India, Atlantic Publishers, 2018
8. Majumdar, Raychaudhary & Dutta : An Advanced History of India, Laxmi Publications, 2016
9. Mohammad Habib and K.A. Nizami, ed. : Comprehensive History of India, Vol. V, The Delhi Sultanate, PPH, 1992
10. R.C.Majumdar & others (ed.): The History and Culture of the Indian People Vol. 6, The Delhi Sultanate, Bhartiya Vidya Bhawan, 2006
11. R.C.Majumdar & others (ed.): The History and Culture of the Indian People Vol. 7, The Mughal Empire, Bhartiya Vidya Bhawan, 2006
12. R.C.Majumdar & others (ed.): The History and Culture of the Indian People Vol. 8, The Maratha Supremacy, Bhartiya Vidya Bhawan, 2006
13. R.K Bhardwaj, Hemu: Life and times of Hemchandra Vikramaditya, Hope India Pub., Gurgaon, 2004

(Dr. Jyotsna Agarwal) 5.12.24

(25)

14. R.P Tripathi : Rise and fall of the Mughal Empire (English or Hindi), Surjeet Publications, 2012
15. S.R. Sharma : The Crescent in India: A Study in Medieval History, (English or Hindi) Bhartiya Kala Prakashan, 2005
16. Ishwari Prasad : A Short History of Muslim Rule in India, Surjeet Publications, 2018
17. Simon Digby, War Horses and Elephants in the Delhi Sultanate. OUP, 1971
18. V.S Bhargava: Marwar and the Mughal Emperors, Munshiram Manoharlal, 1966
19. Rekha Pande: Religious Movements in Medieval India, Gyan Publishing House, 2005
20. Satish Chandra: Uttar Mughal Kalin Bharat Ka Itihas, Minakshi Prakaskan, 1974
21. लूणिया बी.एन. : पूर्व मध्यकालीन भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास, कमल प्रकाशन, इन्दौर
22. लूणिया बी.एन. : मुगल कालीन भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास, कमल प्रकाशन, इन्दौर
23. पान्डेय श्रीनेत्र : पूर्व मध्यकालीन भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
24. बी. के. श्रीवास्तव : मध्यकालीन भारत का इतिहास, एस.बी.पी.डी., आगरा
25. व्ही. डी. महाजन : मध्यकालीन भारत का इतिहास, एस. चाँद कंपनी, दिल्ली
26. दिनेशचन्द्र भारद्वाज : मध्यकालीन भारतीय संस्कृति, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल
27. ए. एल. श्रीवास्तव : मध्यकालीन भारतीय संस्कृति, शिवलाल अग्रवाल, आगरा
28. उमाशंकर मेहरा : मध्यकालीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक :

1. https://knowindia.gov.in/culture-and-heritage/medieval-history.php
2. https://en.wikipedia.org/wiki/Medieval_India
3. https://www.jagranjosh.com/general-knowledge/history-of-medieval-india-a-complete-study-material-1464934631-1
4. https://byjus.com/free-ias-prep/ncert-medieval-history-notes-for-upsc-exams/
5. https://www.tutorialspoint.com/medieval_indian_history/medieval_indian_history_quick_guide.htm
6. https://sites.google.com/view/readings-on-history/course-overview

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :

भाग द - आकलन एवं मूल्यांकन

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	कक्षा परीक्षण : 03 01 असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)/प्रश्नमंच श्रेष्ठ तीन विचारणीय होंगे।	कुल अंक : 30
बाह्य आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग (ब): लघु प्रश्न अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक 70

कोई टिप्पणी/सुझाव:

(Dr. Jyotsna Agarwal) 5.12.24

Economics - Syllabus of Theory Paper

Part A Introduction		
Program: Diploma		Class: बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर Session:2024-25
Subject: Economics		
1	Course Code	A2-ECON1T
2	Course Title	MACRO ECONOMICS (Paper 1)
3	Course Type Major / Minor/Elective/ Generic Elective/Vocational/.....)	MAJOR-1
4	Pre-requisite (if any)	Certificate course with Economics as Major subject
5	Course Learning outcomes (CLO)	After completing this course, students will be able to explain the difference between macroeconomics and microeconomics, common macroeconomic variables, national income and determination of output and employment in classical and Keynesian approaches. They will be able to understand the consumption and investment function of an economy and to derive IS-LM curves and use the framework to explain the working of an economy. Students will also be able to explain the concept, measurement and effects of inflation, deflation and the various theories of trade cycle.
6	Credit Value	6 + 0=06
7	Total Marks	Max. Marks: 30+70 / Min. Passing Marks:33

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) L-T-P: 03 hours

Unit	Topics	No. of Lectures
I	**Concept of Macroeconomics:** 1. Definition of Macroeconomics, Subject Matter, Importance and Limitations 2. Interrelationship between Microeconomics and Macroeconomics 3. Macroeconomic Variables- Stock and Flow 4. Circular Flow of Income 5. Definition and Different Concepts of National Income 6. Methods of Measuring National Income 7. Social Accounting of National Income 8. National Income and Economic Welfare 9. Ancient Indian Concept of income, debt and charity.(Market failure and Charity) -Rig Ved 117 Hyn. - Bhism Parv of Mahabharat (Book/Vol-VI)	18

II	**Determination of Employment**: 1. Classical Theory of Employment- Say's Market Law, Wage Price Flexibility 2. Keynes' Employment Theory- Aggregate Demand Function, Aggregate Supply Function and Effective Demand 3. Applicability of Keynes' Employment Theory in Developing Countries 4. Psychological Law of Consumption 5. Consumption Function- Marginal Propensity to Consume, Average Propensity to Consume, Marginal Propensity to Save and Average Propensity to Save 6. Principle of Multiplier 7. Accelerator Principle	**18**
III	**Investment:** 1. Investment- Meaning, Types and Motivation 2. Marginal Efficiency of Capital (MEC) 3. Marginal Efficiency of Investment (MEI) 4. Keynes's Liquidity Preference Theory 5. Determination of Equilibrium IS Curve in Real Sector and Equilibrium LM Curve in Monetary Sector - IS -LM Model 6. Monetary Policy - Meaning, Tools and Effectiveness 7. Fiscal Policy - Meaning, Tools and Effectiveness	**18**
IV	**Inflation and Deflation:** 1. Meaning of Inflation, Deflation and Stagflation 2. Types and Effects of Inflation 3. Principles of Inflation- Demand Pull Inflation and Cost Push Inflation 4. Measures to Control Inflation 5. Effects of Deflation and Measures to Control Deflation 6. Phillips Curve 7. Measurement of Inflation in India- Wholesale Price Index(WPI), Consumer Price Index(CPI), GDP Deflator	**18**
V	**Trade Cycle**: 1. Meaning and Phases of Trade Cycle 2. Monetary Theory 3. Schumpeter's Innovation Theory 4. Keynesian Theory 5. Kaldor's Theory 6. Samuelson's Theory 7. Hicksian Theory 8. Measures to Control The Trade Cycle	**18**

Keywords/Tags: Macroeconomics, Stock, Flow, National Income, Economic Welfare, Aggregate Demand Function, Aggregate Supply Function, Effective Demand, Consumption Function, Multiplier, Accelerator, Marginal Efficiency of Capital, Marginal Efficiency of Investment, Liquidity Preference, Monetary Policy, Fiscal Policy, Inflation, Deflation, Stagflation, Trade Cycle

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Shapiro E. – Macro Economic Analysis, Galgotia Publications, New Delhi
2. Jhingan M.L. – Macro Economics, Vrinda Publications, New Delhi
3. Allen R.G.D. – Macro Economic Theory-A Mathematical Treatment, Macmillan Press, London
4. Schaum's Series – Macro Economic Theory, McGrall Hill, Singapore
5. Vaish M.C. – Macro Economic Theory, Vikas Publishing House Pvt. Ltd., New Delhi
6. Mithani D.M. – Macro Economics, Himalaya Publishing Company, Mumbai

5.12.24

7. आहूजा एच.एल. - उच्चतर समष्टि अर्थशास्त्र, एस. चन्द एण्ड कम्पनी लि., नई दिल्ली
8. झिंगन एम.एल. - समष्टि अर्थशास्त्र, वृंदा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
9. सेठी टी.टी. - समष्टि अर्थशास्त्र, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा
10. वैश्य एम.सी. - समष्टि अर्थशास्त्र, विकास पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
11. राणा के.सी. एवं के.एन. वर्मा - समष्टि आर्थिक विश्लेषण, विशाल पब्लिशिंग कम्पनी, जालंधर
12. Billington, R. (1997) Understanding Eastern Philosophy P.43, Routledge.
13. Ganguli k (1896) Mahabharat , Shanti Parv.
14. Ganguli k (1896) Mahabharat , Sabha Parv.
15. Griffiths R (1886) Hymns of the Rigveda.
16. Heim, M (2004) Theories of the Gift in South Asia , Hindu , Buddhist and Jain Refection on Dana. pp 4-5 Routledge
17. Kangle , R. (1965) The Kautilya's Arthsastra 1st Edition , part 1 to part III Motilala Banarsidas
18. Knapp , S (2006) The Power of the Dharma, an Introduction to Hinduism and Vedic Culture; Universe , New York
19. Spengler, J.J. (1971) Indian Economic Thought. Duke University Press, Durham.
20. Swami , S. (2012) "Hindutwa Principle of Economics development", The oxford handbook of Hindu Economy and Business , Chapter , 21 oxford University Press

Suggestive Digital Platform :

1 https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=11

2 https://vidyamitra.inflibnet.ac.in/index.php/search?subject%5B%5D=&course%5B%5D=Fundamentals+of+microeconomic+theory&domain%5B%5D=Social+Sciences

3 https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/channel_profile/profile/7

Suggested equivalent online courses:
https://nptel.ac.in/courses/109/104/109104073/

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:
Maximum Marks : 100
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30marks University Exam (UE) 70 marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):		Total:30
External Assessment : University Exam Section:		Total: 70

Any remarks/ suggestions:

5.12.24

अर्थशास्त्र-सैद्धांतिक प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम:डिप्लोमा		कक्षा: बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर	सत्र: 2024-25
विषय: अर्थशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A2-ECON1T	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	समष्टि अर्थशास्त्र (प्रश्न पत्र 1)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (मुख्य/गौण/वैकल्पिक/सामान्य वैकल्पिक/व्यावसायिक/.. .....)	मुख्य-1 (मेजर- 1)	
4	पूर्वपेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	मुख्य विषय अर्थशास्त्र के साथ प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम उत्तीर्ण	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी समष्टि अर्थशास्त्र एवं व्यष्टि अर्थशास्त्र में अंतर, समष्टि आर्थिक चर, राष्ट्रीय आय और प्रतिष्ठित एवं कींसवादी विचारधारा में उत्पादन और रोजगार के निर्धारण को समझने में सक्षम होंगे । वे अर्थव्यवस्था में उपभोग एवं निवेश की कार्यपद्धति को समझ सकेगे तथा आई एस-एल एम वक्र का निर्धारण कर उसके अर्थव्यवस्था में उपयोग की व्याख्या कर सकेंगे । विद्यार्थी मुद्रास्फीति, अवस्फीति और व्यापार चक्र के विभिन्न सिद्धांतों की अवधारणा, माप और प्रभावों की व्याख्या करने में भी सक्षम होंगे।	
6	क्रेडिट मान	6 + 0 = 6	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 03घंटे		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	समष्टि अर्थशास्त्र की अवधारणा: 1. समष्टि अर्थशास्त्र की परिभाषा, विषयवस्तु, महत्व एवं सीमाएं 2. समष्टि और व्यष्टि अर्थशास्त्र में अंतर्संबंध 3. समष्टि आर्थिक चर – स्टॉक एवं प्रवाह 4. आय का चक्रीय प्रवाह 5. राष्ट्रीय आय की परिभाषा एवं विभिन्न अवधारणाएं 6. राष्ट्रीय आय को मापने की विधियां 7. राष्ट्रीय आय का सामाजिक लेखांकन 8. राष्ट्रीय आय एवं आर्थिक कल्याण 9. आय, ऋण और दान की प्राचीन भारतीय अवधारणा। (बाजार की विफलता और दान) – ऋग्वेद वेद, ऋचा-117 - महाभारत का भीष्मपर्व (पुस्तक/खंड-VI)	18

5-12-24

II	रोजगार का निर्धारण: 1. रोजगार का प्रतिष्ठित सिद्धांत- से का बाजार नियम, मजदूरी कीमत नम्यता 2. कींस का रोजगार सिद्धांत – समग्र मांग फलन, समग्र पूर्ति फलन, प्रभावपूर्ण मांग 3. विकासशील देशों में कींस के रोजगार सिद्धांत की व्यावहारिकता 4. उपभोग का मनोवैज्ञानिक नियम 5. उपभोग फलन - सीमांत उपभोग प्रवृत्ति, औसत उपभोग प्रवृत्ति, सीमांत बचत प्रवृत्ति, औसत बचत प्रवृत्ति 6. गुणक सिद्धांत 7. त्वरक सिद्धांत	18
III	विनियोग : 1. विनियोग- अर्थ, प्रकार एवं प्रेरणा 2. पूंजी की सीमांत क्षमता (MEC) 3. विनियोग की सीमांत क्षमता (MEI) 4. कींस का तरलता पसंदगी सिद्धांत 5. वास्तविक क्षेत्र में साम्य आई एस वक्र एवं मौद्रिक क्षेत्र में साम्य एल एम वक्र का निर्धारण –आई एस –एल एम मॉडल 6. मौद्रिक नीति- अर्थ, उपकरण एवं प्रभावशीलता 7. राजकोषीय नीति - अर्थ, उपकरण एवं प्रभावशीलता	18
IV	मुद्रास्फीति एवं अवस्फीति : 1. मुद्रास्फीति, अवस्फीति, स्फीतिजनित मंदी(Stagflation) का अर्थ 2. मुद्रास्फीति के प्रकार एवं प्रभाव 3. मुद्रास्फीति के सिद्धांत- मांग प्रेरित स्फीति एवं लागत प्रेरित स्फीति 4. मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के उपाय 5. अवस्फीति के प्रभाव एवं नियंत्रित करने के उपाय 6. फिलिप्स वक्र 7. भारत में मुद्रास्फीति का मापन- थोक मूल्य सूचकांक(WPI), उपभोक्ता मूल्य सूचकांक(CPI), जीडीपी डिफ्लेटर	18
V	व्यापार चक्र: 1. व्यापार चक्र का अर्थ व अवस्थाएं 2. मौद्रिक सिद्धांत 3. शुम्पीटर का नवप्रवर्तन सिद्धांत 4. कींस का सिद्धांत 5. काल्डोर का सिद्धांत 6. सैमूल्यसन का सिद्धांत 7. हिक्स का सिद्धांत 8. व्यापार चक्र को नियंत्रित करने के उपाय	18

सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग: समष्टि अर्थशास्त्र, स्टॉक, प्रवाह, राष्ट्रीय आय, आर्थिक कल्याण, समग्र मांग फलन, समग्र पूर्ति फलन,प्रभावपूर्ण मांग, उपभोग फलन, गुणक, त्वरक, पूंजी की सीमांत क्षमता, विनियोग की सीमांत क्षमता, तरलता पसंदगी, मौद्रिक नीति, राजकोषीय नीति, मुद्रास्फीति, अवस्फीति, स्फीति जनित मंदी, व्यापार चक्र

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री

1. आहूजा एच.एल. – उच्चतर समष्टि अर्थशास्त्र, एस. चन्द एण्ड कम्पनी लि., नईदिल्ली
2. झिंगन एम.एल. – समष्टि अर्थशास्त्र, वृंदा पब्लिकेशन्स, नईदिल्ली
3. सेठी टी.टी. – समष्टि अर्थशास्त्र, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा
4. वैश्य एम.सी. – समष्टि अर्थशास्त्र, विकास पब्लिशिंग हाऊस, नईदिल्ली
5. राणा के.सी. एवं के.एन. वर्मा – समष्टि आर्थिक विश्लेषण, विशाल पब्लिशिंग कम्पनी, जालंधर
6. Shapiro E. – Macro Economic Analysis. Galgotia Publications, New Delhi
7. Jhingan M.L. – Macro Economics, Vrinda Publications, New Delhi
8. Allen R.G.D. – Macro Economic Theory-A Mathematical Treatment, Macmillan Press, London
9. Schaum's Series – Macro Economic Theory, McGrall Hill, Singapore
10. Vaish M.C. – Macro Economic Theory, Vikas Publishing House Pvt. Ltd., New Delhi
11. Mithani D.M. – Macro Economics, Himalaya Publishing Company, Mumbai
12. Billington, R. (1997) Understanding Eastern Philosophy P.43, Routledge.
13. Ganguli k (1896) Mahabharat , Shanti Parv.
14. Ganguli k (1896) Mahabharat , Sabha Parv.
15. Griffiths R (1886) Hymns of the Rigveda.
16. Heim, M (2004) Theories of the Gift in South Asia , Hindu , Buddhist and Jain Refection on Dana. pp 4-5 Routledge
17. Kangle , R. (1965) The Kautilya's Arthsastra 1st Edition , part 1 to part III Motilala Banarsidas
18. Knapp , S (2006) The Power of the Dharma, an Introduction to Hinduism and Vedic Culture; Universe , New York
19. Spengler, J.J. (1971) Indian Economic Thought. Duke University Press, Durham.
20. Swami , S. (2012) "Hindutwa Principle of Economics development", The oxford handbook of Hindu Economy and Business , Chapter , 21 oxford University Press

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

1 https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=11
2 https://vidyamitra.inflibnet.ac.in/index.php/search?subject%5B%5D=&course%5B%5D=Fundamentals+of+microeconomic+theory&domain%5B%5D=Social+Sciences
3 https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/channel_profile/profile/7

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
https://nptel.ac.in/courses/109/104/109104073/

5.12.24

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां: अधिकतम अंक: 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70		
आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	कुल अंक :30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा:		कुल अंक 70
कोई टिप्पणी/सुझाव:		

5.12.24

5/12/24

Department of Higher Education

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ – परिचय			
कार्यक्रम: डिप्लोमा		कक्षा बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर 2024-25 वर्ष	
विषय: हिंदी साहित्य			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A2-HLIT1T	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिन्दी गद्य (प्रश्न पत्र 1)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स/मेजर 1	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने किसी भी विषय/संकाय में अध्ययन किया हो, पात्र है ।	
5	पाठ्यक्रम अध्धयन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. विद्यार्थी हिन्दी गद्य-साहित्य एवं प्रमुख रचनाओं से परिचित होंगे। 2. विद्यार्थियों में साहित्य अध्ययन से संवेदनशीलता एवं मानवीय गुणों का विकास होगा । 3. साहित्य क्षेत्र में सर्जनात्मक लेखन एवं समीक्षा के प्रति प्रेरित होंगे। उन्हें रचनाओं के प्रकाशन एवं अध्यापन के क्षेत्र में रोजगार प्राप्ति के अवसर प्राप्त होंगे।	
6	क्रेडिट मान 100	06 Theory	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या(90) - : (L85+T05): व्याख्यान प्रति सप्ताह 2 घंटे		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
इकाई-1	आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य की पृष्ठभूमि एवं उदय के कारण -: 1. आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि 2. हिन्दी गद्य के उद्भव के कारण 3. हिन्दी उपन्यास का स्वरूप और विकास। प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकार। 4. रामगढ़ की रानी – व्याख्या एवं समीक्षा	16

05.12.2024

15.02.2022
डॉ. पुष्पा दुबे
अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
बी.ए. द्वितीय वर्ष, हिन्दी साहित्य

	2. यात्रा वृत्तांत – सौन्दर्य की नदी नर्मदा (अंश- ओंकारेश्वर से खलघाट) -अमृतलाल वेगड़ मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल 3. व्यंग्य – भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई 4. जीवनी – उत्तर योगी श्री अरविन्द (अंश – मनुष्य प्रकृति की सर्वोच्च प्रयोगशाला) शिवप्रसाद सिंह लो क भारती प्रकाशन, इलाहाबाद 5. आत्मकथा – क्या भूलूँ क्या याद करूँ – (अंश- श्यामा प्रसंग पृ;169 से 174 तक) हरिवंशराय बच्चन प्रकाशन – राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली 6. डायरी – कठिन समय में – रमेशचन्द्र शाह (अंश – दिं 25.04.2010) किताबघर, नई दिल्ली * ट्यूटोरियल : • गद्य रचनाओं का वाचन एवं रचनात्मक लेखन • निबंध, कहानी एवं अन्य गद्य विधाओं का नाट्यरूपान्तर एवं मंचन। मंच-सज्जा , पात्र वेशभूषा।	

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: गद्य साहित्य की विधाएँ , अवधारणा , पृष्ठभूमि , समीक्षा , व्याख्या

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

- अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

पाठ्य पुस्तकें --

1. तिवारी रामचंद्र, हिन्दी निबंध और निबंधकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणासी, 2007
2. सिंह बच्चन, आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
3. शुक्ल, रामचंद्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणासी, 1992
4. तिवारी, रामचंद्र, हिन्दी गद्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन , प्रयागराज 2019
5. सिंह, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली 2018
6. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिन्दीगद्य: विन्यास और विकास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज 2018
7. वर्मा, वृंदावनलाल "रामगढ़ की रानी प्रभात प्रकाशन आसिफ अली रोड नई दिल्ली
8. दस एकांकी, श्रीराम मेहरा एंड कंपनी, आगरा
9. वर्मा, डॉ रामकुमार, आठ एकांकी नाटक, स्रोत पुस्तकालय ई -
10. हरिशचंद्र भारतेंदु, अंधेर नगरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
11. प्रसाद जयशंकर, ध्रुवस्वामिनी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

इकाई-2	हिन्दी कहानी : स्वरूप और विकास 1. स्वरूप और विकास 2. प्रमुख हिन्दी कहानियाँ – व्याख्या और समीक्षा 3. कहानियाँ – उसने कहा था' - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी पंच परमेश्वर – प्रेमचंद पुरस्कार-- जयशंकर प्रसाद वापसी – उषा प्रियंवदा	18
इकाई-3	हिन्दी नाट्य साहित्य : स्वरूप और विकास 1. हिन्दी नाटक : स्वरूप और विकास 2. हिन्दी एकांकी : स्वरूप और विकास 3. नाटक : लहरों के राजहंस – मोहन राकेश (व्याख्या एवं समीक्षा) 4. एकांकी - (व्याख्या एवं समीक्षा) i. दीपदान – डॉ. रामकुमार वर्मा ii. टूटते हुए – सुरेश चन्द्र शुक्ल (चन्द्र)	16
इकाई-4	हिन्दी निबंध : स्वरूप और विकास 1. हिन्दी निबंध : स्वरूप 2. हिन्दी निबंध का उद्भव एवं विकास, प्रमुख निबंधकारों का परिचय व प्रवृत्तियाँ 3. प्रमुख निबंध – (व्याख्या एवं समीक्षा) i. मित्रता – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ii. अशोक के फूल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी iii. मेरे राम का मुकुट भीग रहा है- आचार्य विद्यानिवास मिश्र	20
इकाई-5	हिन्दी की अन्य गद्य विधाएँ : स्वरूप और विकास 1. संस्मरण : सुभद्राकुमारी चौहान--महादेवी वर्मा (पथ के साथी संग्रह से)	20

5.12.2024

15.02.2022

डॉ पुष्पा दुबे
अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
बी.ए. II वर्ष, हिन्दी साहित्य

12. गुप्ता सोमनाथ, हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास, इंद्रा चन्द्र नारंग, इलाहाबाद, तीसरा संस्करण 1951
13. ओझा, डॉ दशरथ हिन्दी नाटक :उद्भव एवं विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली
14. रस्तोगी, गिरीश, हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्स, लोकभारती, इलाहाबाद
15. त्रिपाठी सत्यवती, आधुनिक हिन्दी नाटकों में प्रयोगधर्मिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
16. किशोर ब्रजराज, हिन्दी नाटक और रंगमंच जनप्रिय प्रकाशन
17. रस्तोगी गिरीश, समकालीन हिन्दी नाटककार, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
18. कुमार, सिद्धनाथ, हिन्दी एकांकी की शिल्प विधि का विकास, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद
19. महेन्द्र डॉएकांकीकार और एकांकी रामचरण ., वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
20. महेन्द्र डॉ. रामचरण हिन्दी एकांकी उद्भव और विकास, साहित्य प्रकाशन दिल्ली
21. बिसारिया, डॉपुनीत ., निबंध निकष, शब्द सेतु प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009
22. बिसारिया, डॉपुनीत ., निबंध संग्रह, श्री नटराज प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2007
23. मिश्र कृष्णगोपाल "हिन्दी साहित्य और समीक्षा" प्रकाशन के के पब्लिकेशन नई दिल्ली

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

1. www.wikipidiya.org
2. www.egyankosh.ac.in
3. www.youtube.com
4. https://epgp.inflibnet,ac.in
5. **hindiwi.org**
6. **https://swayam.gov.in/**

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 15 कुल अंक **:30**
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): वस्तुनिष्ठ अनुभाग (ब): लघु प्रश्न ( ) अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (शब्द)	कुल अंक **70**

कोई टिप्पणी/सुझाव:

15.02.2022

डॉ पुष्पा दुबे
अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
बी.ए. द्वितीय वर्ष, हिन्दी साहित्य

BA II Year: English Literature

Part A Introduction			
Program: Diploma Course		Class: बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर	Session: 2024-25
Subject: English Literature (Theory) Major-1			
1	Course Code	A2-ELIT1T	
2	Course Title	Study of Prose (Paper 1, Theory)	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Core Course	
4	Pre-requisite (if any)	**To study this course, a student must have had the subject *English Language and Literature* at her/his Certificate Course level.**	
5	Course Learning outcomes (CLO)	After the completion of this course, the students will be able to: • Analyze literary devices, forms and techniques in order to appreciate and interpret the text, • Broaden analytical skills and develop critical thinking skills, • Cultivate wisdom and world-view within themselves; and • Develop language and communication skills and creativity.	
6	Credit Value	4	
7	Total Marks	Max. Marks: 30+70	Min. Pass Marks:33

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures (in hours per week): 02
Total Lectures: 60 hours

Unit	Topics	No. of Lectures
I	1. **Early Prose Writers** 1.1 Prose and its forms 1.2 Michel de Montaigne: On Sorrow (Translated by Charles Cotton) 1.3 Francis Bacon: Of Studies, Of Truth 1.4 Oliver Goldsmith: The Man in Black **Keywords/Tags:** *Elizabethan age, Aphoristic essay, Satire, Brevity, Idiomatic language, Ornamental prose*	15
II	2. **Eighteenth/ Nineteenth Century Prose** 2.1 Joseph Addison: The Spectator's Account of Himself 2.2 William Hazlitt: On the Ignorance of the Learned 2.3 Charles Lamb: Dream Children	15

13.2.22
Dr G S Gautam

	Keywords/Tags: *Periodical essay, Dispersed Meditation, Humour and pathos, Autobiographical prose*	
III	**3. Prose in Modern Period** 3.1 AG Gardiner: On The Rule of the Road 3.2 Robert Lynd: The Pleasures of Ignorance 3.3 Aldous Huxley: The Divine Within (Chapters 1-2) **Keywords/Tags:** *Modern essayist, Prose style, Irony, Spirituality, Civic Sense, Philosophical prose*	15
IV	**4. Political writings** 4.1 Nelson Mandela: Long Walk to Freedom 4.2 Rajmohan Gandhi: Why Gandhi Still Matters **Keywords/Tags:** *Political writing, Social upheaval, Dandi march, Satyagraha, Unsentimental view*	15

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Binyon, Laurence. "*Nineteenth Century Prose*". Forgotten Books, 2018.
2. Gandhi, Rajmohan. *Why Gandhi Still Matters: An Appraisal of the Mahatma's Legacy*. Aleph Book Company, 2017.
3. Huxley, Aldous, and Huston Smith. "*The Divine Within: Selected Writings on Enlightenment*". Harper Perennial Modern Classics, 2013.
4. Mandela, Nelson. "*Long Walk to Freedom*". Abacus Publication, 1995.

Suggestive digital platform web links

1. Addison, Joseph. "The Spectator's Account Of Himself." *Ourcivilisation.Com*, www.ourcivilisation.com/smartboard/shop/fowlerjh/chap6.htm. Accessed 18 Jan. 2022.
2. Addison, Joseph. "Sir Roger at Church." *Ourdecline.Com*, www.ourdecline.com/smartboard/shop/fowlerjh/chap15.htm. Accessed 18 Jan. 2022.
3. Bacon, Francis. "I. Of Truth. Francis Bacon. 1909–14. Essays." *Bartleby*, www.bartleby.com/3/1/1.html. Accessed 18 Jan. 2022.
4. "Charles Lamb: Essays." *GradeSaver*, 8 Oct. 2021, www.gradesaver.com/charles-lamb-essays/study-guide/summary-dreamchildren-a-reverie.
5. "Eighteenth Century Prose." *Bachelorandmaster.Com*, 2016,

5.12

13.2.22
Dr G S Gautam

www.bachelorandmaster.com/englishperiods/eighteenth-century-prose.html.

6. Gardiner, AG. "The Project Gutenberg EBook of Leaves in the Wind, by A. G. Gardiner." *Project Gutenberg*, 2011, www.gutenberg.org/files/37858/37858-h/37858-h.htm.

7. Hazlitt, William. "On the Ignorance of the Learned." *OurCivilisation.Com*, www.ourcivilisation.com/smartboard/shop/hazlittw/ignrnc.htm. Accessed 18 Jan. 2022.

8. Hazlitt. "THE INDIAN JUGGLERS." *Juggling.Org*, www.juggling.org/papers/hazlitt. Accessed 18 Jan. 2022.

9. Montaigne. "Essays of Michel de Montaigne." *Project Gutenberg*, www.gutenberg.org/files/3600/3600-h/3600-h.htm. Accessed 18 Jan. 2022.

10. Nordquist, Richard. "Francis Bacon's Classic Essay Of Studies." *ThoughtCo*, 2020, www.thoughtco.com/of-studies-by-francis-bacon-1688771#:~:text=%22Studies%20serve%20for%20delight%2C%20for,judgment%20and%20disposition%20of%20business.

11. Nordquist, Richard. "Robert Lynd's Essay on the Pleasures of Ignorance." *ThoughtCo*, 6 Nov. 2019, www.thoughtco.com/pleasures-of-ignorance-by-robert-lynd-1690173.

12. Nordquist, Richard. "'The Character of the Man in Black' by Oliver Goldsmith." *ThoughtCo*, 2019, www.thoughtco.com/character-of-the-man-in-black-1690140.

13. "Prose - English Literature." *Britannica*, www.britannica.com/art/English-literature/Prose. Accessed 18 Jan. 2022.

14. "Prose: Forgetting English Prose: Forgetting by Robert Lynd." *BrainKart*, 20 June 2018, www.brainkart.com/article/Prose--Forgetting_34360.

15. Roy, Hareshwar. "On the Rule of the Road - A.G. Gardiner." *English Literature Mail*, 14 June 2020, www.englitmail.com/2020/06/on-rule-of-road-ag-gardiner_14.html.

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30 marks University Exam (UE) 70 marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):30	There shall be 4 class tests of 10 marks each, out of which the 3 best scores are to be taken into account.	10+10+10 = 30
External Assessment : University Exam Section: 70 Time : 03.00 Hours	Section(A) : Objective Section (B) : Short Questions Section (C) : Long Questions	

8/12/24 5.12.24

13.2.22
Dr G S Gautam

		Total 70
Any remarks/ suggestions:		

Format for Syllabus of Practical Paper

Part A Introduction		
Program: Diploma Course	Class: बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर	Session: 2024-25
Subject: English Literature (Practical) Major-1		

1	Course Code	A2-ELIT1P
2	Course Title	Experiments with Prose (Paper 2, Practical)
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Core Course
4	Pre-requisite (if any)	**To study this course, a student must have had the subject *English Language and Literature* at her/his Certificate Course level.**
5	Course Learning outcomes (CLO)	Upon the completion of this course, the students will be able to grasp the technicalities of prose. The course will help the students: • Strengthen their knowledge of communicative English, vocabulary, syntax etc., • Experiment with various prose styles, • Distinguish and categorise linguistic undertones in Prose; and • Discover a new appreciation for the propagation of ideas with language as the essential medium.
6	Credit Value	2
7	Total Marks	Max. Marks: 30+70 | Min. Pass Marks:33

5.12.24

13.2.22
Dr G S Gautam

41

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures- Practical (in hours per week): 01
Total Practical Lectures: 30 hours

Unit	Topics	No. of Lectures
I	**1. American Prose** 1.1 RW Emerson: Self Reliance 1.2 Henry James: The Art of Fiction 1.3 Cleanth Brooks: Poetry as a Way of Saying **Keywords/Tags:** *American Prose, Naturalism, Philosophy, Literary Criticism*	15
II	**2. Indian Thinkers** 2.1 Swami Vivekanand: Our Motherland 2.2 Rabindranath Tagore: Sadhana – The Realization of Life (Part 1 and 2 - The Relation of the Individual to the Universe and Soul Consciousness) 2.3 J Krishnamurti: Individual and Society **Keywords/Tags:** *Indian Culture, Spiritualism, Religion, Transcendentalism*	15

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Jayapalan, N. "*Indian Political Thinkers: Modern Indian Political Thought.*" Atlantic Publication, 2021.
2. Tagore, Rabindranath. "*Sadhana: The Realisation of Life.*" 01 ed., Niyogi Books Private Limited, 2018.

Suggestive digital platform web links

1. "The Art of Fiction | Essay by James." *Britannica*, www.britannica.com/topic/The-Art-of-Fiction-essay-by-James. Accessed 18 Jan. 2022.

5.12.24
13.2.22
Dr G S Gautam

42

2. Emerson, Ralph Waldo. "Essays, First Series [1841] The Over-Soul." *American Transcendentalism Web*, archive.vcu.edu/english/engweb/transcendentalism/authors/emerson/essays/oversoul.html. Accessed 18 Jan. 2022.

3. Emerson, RW. "The American Scholar." *Wikipedia*, 2013, en.wikipedia.org/wiki/The_American_Scholar.

4. "The Greatness of Our Motherland - Swami Vivekananda." *SwamiVivekananda.Guru*, 3 May 2017, www.swamivivekananda.guru/2017/05/03/the-greatness-of-our-motherland.

5. Krishnamurti, J. "Series I - Chapter 21 - 'The Individual and Society.'" *Jkrishnamurti.Org*, 1991, jkrishnamurti.org/content/series-i-chapter-21-individual-and-society.

6. "Series I - Chapter 22 - 'The Self' | J. Krishnamurti." *Jkrishnamurti.Org*, 1991, jkrishnamurti.org/content/series-i-chapter-22-self#:~:text=The%20self%20can%20never%20be,awareness%20of%20its%20own%20nature.

Suggested equivalent online courses:

Suggested Academic Activities for Experiments by Students:

A. Linguistic Activities

1. Testing the learners' pronunciation abilities through reading out the prescribed texts.
2. To test the learners' knowledge about the meaning, synonyms, antonyms of difficult words used in the texts and their usage in new sentences.
3. To test the learners' knowledge about the different possible forms of root words from the texts and their usage in new sentences.
4. Identifying different tenses and prepositions used in the texts and recreating sentences from them.
5. Identifying types of sentences used in the texts and reusing them to form new sentences.
6. To conduct quiz activities for the learners based on different parts of speech (noun,

13.2.22
Dr G S Gautam

pronoun, verb, adverb, adjective, preposition, conjunctions, exclamation).

7. Identifying connectors (for example:but, moreover, furthermore, hence, therefore, so, in the light of the above etc) from the texts and reusing them in situational English.
8. Identifying literary devices and figures of speech from the prescribed texts.

B. Learning Approaches and Strategies

1. Identifying verbal phrases, idioms, and proverbs found in the prescribed texts and using them in real-life/situational English. (Lexical Approach)
2. To apply task-based learning and goal-setting.
3. To conduct peer-learning activities among learners.
4. Exploring different English-speaking cultures through minute reading of the prescribed texts.
5. Developing a positive attitude in learners towards the English language.
6. Identifying different examples of Indian English in the prescribed text.

C. Performative Activities

1. Enacting the prose narratives prescribed in the texts.
2. Voice and language modulation activities.
3. Enactment through body language and expression.
4. Sorting out conflicts in prose through the staging of the situations present in the story.
5. Scene study based on situations present in the prescribed prose.

D. Communicative Activities

1. Testing the fluency of the learners through real-life/situational (informal) English.
2. Recreating sentences from Formal into Informal English.
3. Seeking opportunities to interact with native speakers/foreigners.
4. Using body language as a means of communication.
5. Activities testing the communication based on the needs of real-life situations.

E. Practicing Language Skills

1. Learners should be asked to continuously practice language skills (LRW) based on resources available in the classroom.

   For example: Speech available on the mobile internet platforms like YouTube, EDX etc can be used for *listening* skill; using newspapers and textbooks for *reading* and *writing* skills; based on these three activities (LRW), learners should be inspired to

5.12.22

13.2.22
Dr G S Gautam

practice the *speaking* skill.

F. Creative Writing

1. Writing an imaginary story based on a real life incident.
2. Reinventing and rewriting the central idea of the prescribed prose.
3. Writing literary pieces from the learners' points of view.

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Internal Assessment	Marks	External Assessment	Marks
Class Interaction /Quiz/Any Two Suggested Academic Activities for Experiments	10	Each student will prepare a practical file containing five suggested academic activities for experiments assigned by the concerned classroom teacher one month before the Viva Voce.	10 (handwriting and shape of presentation to be evaluated by the external examiner)
Attendance	05	The above practical file containing five academic experiment activities made by the students will be evaluated by the external examiner assessing the students' creative knowledge of the following (if applicable): • Control over linguistic and stylistic competence. • Knowledge of the literature prescribed. • Analysing, interpreting, arguing, and creative capacity. • Various elements of prose. • Culture of the concerned literature.	50
Assignments/Any Three Suggested Academic Activities for Experiments	15	Viva Voce (based on the practical file containing Suggested Academic Activities for	10

5-12-24 13.2.22 Dr G S Gautam

(45)

		Experiments as mentioned above)	
TOTAL	30		70

05.12.24

13.2.22
Dr G S Gautam

5/12/24

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ – परिचय		
कार्यक्रम : डिप्लोमा	कक्षा : बी.ए.बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर	सत्र: 2024-25

विषय: संस्कृत

1	पाठ्यक्रम का कोड	**A2-SANS1T**
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	गद्य, दर्शन एवं व्याकरण (प्रश्न पत्र 1)
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/एलेक्टिव/जेनेरिक एलेक्टिव/वोकेशनल/....)	मेजर-1
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय संस्कृत ......अध्ययन कक्षा/बी.ए. प्रथम वर्ष प्रमाणपत्र उत्तीर्ण किया हो। इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयो के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप मे चुना जा सकता है :- सभी के लिए उपलब्ध (Open For all)
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1 छात्रों के चारित्रिक विकास में अत्यन्त उपयोगी। 2 सार्वभौमिक दृष्टि से आध्यात्मिक उन्नयन में सहायक। 3 भारतीय दार्शनिक चिन्तन की वैज्ञानिकता का अवबोध। 4 भारतीय संस्कृति एवं कलाओं से परिचित कराना। 5 छात्रों के बौद्धिक एवं मानसिक विकास के साथ भाषा अवबोध हेतु महत्त्वपूर्ण। 6 छात्रों को काव्य विधा लेखन की कला में दक्ष बनाना। 7 संस्कृत में वाक्य निर्माण और प्रयोग का ज्ञान कराना। 8 संस्कृत में अनुवाद एवं संभाषण कौशल का विकास।
6	क्रेडिट मान	06
7	कुल अंक	अधिकतम अंक : 30+70 — न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 33

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे मे) : **L-T-P:- 03**

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	शुकनासोपदेश : बाणभट्ट विरचित कादम्बरी से-(व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न)।	**15**
II	(अ) आस्तिक दर्शन : (सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, वेदान्त तथा मीमांसा)। (ब) नास्तिक दर्शन : (चार्वाक, जैन एवं बौद्ध)- उक्त दर्शनों का सामान्य परिचय अपेक्षित है।	**15**

5-12-24

15.2.22
(Prof. K.B. Panda)

6/12/24

III	भारतीय संस्कृति : पुरुषार्थ, संस्कार, कला एवं संस्कृति का स्वरूप और विशेषताएँ। कलाओं (स्थापत्यकला, मूर्तिकला, चित्रकला एवं संगीत कला) का सामान्य परिचय अपेक्षित है।	15
IV	(अ) वाच्य परिवर्तन : (कर्तृ, कर्म, एवं भाववाच्य) नियम तथा उदाहरण अपेक्षित हैं। (ब) संस्कृत निबन्ध : संस्कृत भाषा में निबन्ध लेखन/पत्र लेखन/वार्ता लेखन/संभाषण/ लघुकथा लेखन।	15
V	समास : (लघुसिद्धान्त कौमुदी से) विग्रह एवं समास का ज्ञान तथा समास के भेदों का अवबोध अपेक्षित है।	30

सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : आस्तिक, नास्तिक, दर्शन, संस्कृति, कला, वाच्य, निबन्ध, संभाषण, समास।

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

पाठ्यपुस्तक- चतुष्टयी- म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रंथ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री :

1. "कादम्बरी"-बाणभट्ट कृत- व्याख्या, रतिनात झा- मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी।
2. "शुकनासोपदेश"-आचार्य मोहनदेव पन्त- मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी।
3. "शुकनासोपदेश"-डॉ. चंद्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
4. "भारतीय दर्शन"-आचार्य बलदेव उपाध्याय- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
5. "भारतीय दर्शन"-डॉ. उमेश मिश्र- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
6. "हिन्दू संस्कार"-राजबली पाण्डेय- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
7. "भारतीय संस्कृति"-बी.एन. लूनिया- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
8. "भारतीय संस्कृति सौरभम्"- आचार्य रामजी उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
9. "भारतीय संस्कृति"-डॉ. शिवदत्त ज्ञानी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
10. "भारतीय संस्कृति"-प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर।
11. "लघुसिद्धान्त कौमुदी"-वरदराजाचार्य-व्याख्याकार भीमसेन शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
12. "संस्कृत निबंध शतकम्"- डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
13. "संस्कृत निबन्धावलिः"-आचार्य रामजी उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
14. "संस्कृत निबंध मंदाकिनी"-आचार्य आद्या प्रसाद मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
15. "भारतीय कला का विकास"- राधाकमल मुखर्जी- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
16. "चन्द्र संस्कृत व्याकरण"-नेमिचन्द्र शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
17. "भारतीय कला"-वासुदेव शरण अग्रवाल, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
18. "भारतीय स्थापत्य कला"-द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
19. "भारतीय संस्कृति"- किरण टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, नई दिल्ली।

15.2.22
(Prof. K. B. Panda)

20. "प्राचीन भारतीय संस्कृति"- डॉ वीरेंद्र सिंह, अक्षय [illegible] प्रकाशन, इलाहाबाद।

अनुशंसित डिजिटल प्लाटफार्म वेब लिंक-ई-सोर्सेस, इपीजी पाठशाला संस्कृत, ई-पुस्तकालय संस्कृत, विकीपीडिया, ज्ञानगंगा, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर, swayam.gov.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम : शास्त्री

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति, IGNOU BAG (Sanskrit) Study Material, B.A. Sanskrit, Kota Vishwavidyalaya, Kota

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ :

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ : लिखित परीक्षा, सतत आंतरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघु उत्तरीय प्रश्न निर्माण।

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) :	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) : समय-03.00 घंटे	अनुभाग (अ) : वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक : 70

कोई टिप्पणी/सुझाव :

5.12.24

15.2.22

(Prof. K. B. Panda)

5/12/24

Part A Introduction			
Program : Diploma Course		Class : बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर	Session: 2024-25
Subject : Sociology			
1	Course Code	A2 - SOC1 1T	
2	Course Title	**Basic Concepts of Social Research, Paper- I**	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	Core Course	
4	Pre-requisite (if any)	This is a compulsory paper for all B.A. II year students, who had core papers of Sociology in B.A. I Year.	
5	Course Learning outcomes (CLO)	This paper will help in developing research insight among the students. They will learn about the nature of scientific method and the way to attain value neutrality. 1. It will teach students about the importance of reality and the ways to obtain objective and reliable information. 2. It will develop reading, writing and reasoning skills among the students. 3. This paper is designed to acquaint students with scientific ways of studying social phenomena. 4. The students, well versed with this course will have many jobs opportunities in academic, fundamental and policy research projects undertaken both by the government and non-government agencies.	
6	Credit Value	Theory –6	
7	Total Marks	Max. Marks: 30+70	Min. Passing Marks:33

5.12.24

5/12/24

(50)

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):6 hours per week
L-T-P:6-0-0

<table>
<tr><th>Unit</th><th>Topics</th><th>No. of Lectures</th></tr>
<tr><td>I</td><td>Social Research and Survey
1. Emergence of Social Research in India

2. Concept of Scientific Method

3. Interdisciplinary Approach

4. Social Research
4.1 Concept and Objectives
4.2 Types
4.3 Importance
4.4 Steps of Social Research

5. Social Survey
5.1 Concept
5.2 Types
5.3 Difference Between Social Research and Social Survey

6. Hypothesis
6.1 Concept
6.2 Sources of Hypothesis
6.3 Problems in Formulation of Hypothesis
6.4 Importance

7. Major Social Research and Social Survey Institutes in India

7.1 New Dimensions of Social Research</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="3">Key Words: Social Research, Scientific Method, Social Survey, Hypothesis, Interdisciplinary Approach l, New Dimensions</td></tr>
<tr><td>II</td><td>Sources and Techniques of Data Collection
1. Data
1.1 Concept
1.2 Types
1.3 Sources : Primary and Secondary
2. Methods and Techniques of Data Collection
2.1 Census Method : Concept
2.2 Sampling Method
2.2.1 Concept</td><td></td></tr>
</table>

5.12.24

	2.2.2 Types of Sampling 2.2.3 Utility and Limitations 3. Questionnaire 3.1 Concept 3.2 Types 3.3 Formulation of Questionnaire Utility and Limitations 4. Schedule 4.1 Concept 4.2 Types 4.3 Utility and Limitations 4.4 Difference Between Questionnaire and Schedule	
Key Words: Data, Census Method, Sampling, Questionnaire, Interview Schedule.		
III	**Methods and Techniques of Data Collection** 1. Observation 1.1 Concept 1.2 Types 1.3 Utility and Limitations 2. Interview 2.1 Concept 2.2 Types 2.3 Utility and Limitations 3. Case Study Method 3.1 Concept 3.2 Basic Assumptions 3.3 Tools and Techniques of Case Study Method 3.4 Utility and Limitations 4. Sociometry 4.1 Concept 4.2 History 4.3 Utility and Limitations 5. Content Analysis 5.1 Concept	
Key Words: Observation, Interview, Case Study, Sociometry, Content Analysis.		
IV	**Analysis and Interpretation of Data** 1. Concept of Objectivity, Reliability and Validity 2. Concept of Editing, Coding and Classification 3. Tabulation 3.1 Concept 3.2 Rules of Tabulation	

	3.3 Types of Tabulation Utility and Limitations 4. Report Writing 4.1 Concept 4.2 Content and Steps of Report Writing 4.3 Problems of Report writing 4. Importance	
Key Words: Objectivity, Reliability, Validity, Coding, Classification, Tabulation, Report writing .		
V	**Use of Statistics in Social Research** 1. Concept of Statistics 2. Utility and Limitations of Statistics in Social Research 3. Measures of Central Tendency 3.1 Concept 3.2 Importance 4. Mean, Median and Mode 4.1 Concept 4.2 Calculation 4.3 Practical Usage 4.4 Merits and Demerits 5. Diagrammatic Presentation 5.1 Rules of Making Diagram 5 2 Types of Diagrams 5.3 Utility and Limitations of Diagrams 6. Use of Computer in Social Research 7. SPSS An Introduction	
Key Words : Statistics, Diagrams, Mean, Median, Mode, SPSS		

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Bajpai, S.R., Social Research and Survey, (4th Edition), Kitab Ghar, New Delhi, India
2. Bhandarkar, P.L. and Wilkinson,T.S. (2003) Methodology and Techniques of Social Research, Himalaya Publishing House, Mumbai, Indian
3. Goode,W.J. and Hatt, P.K.(2006) Methods in Social Research, Surjeet Publications, New Delhi, India
4. Kothari, C.R., (2009) Research Methodology, Methods and Techniques, 2nd Revised Edition by New Age International pvt.Ltd., Daryaganj, New Delhi, India
5. Lundberg, George, (1951) Social Research, Green and Company New York, USA
6. Nehru, R.S.S. and Suryanarayan, N.V.S., (2012) Research Methodology, APH Publishing

   CI corporation, Delhi, Indi
7. Saravanavel, P.,(1987) Research Methodology, Kitab Mahal, Allahabad , India
8. Singh , Jaspal,(1994) Introduction to Methods of Social Research, Sterling Publications, New Delhi, India
9. Young, P.V.,(1968) Scientific Social Survey and Research, Printice Hall Publication, New Delhi, India

10. आहूजा, राम, (2005) रिसर्च मेथड्स, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर

11. बघेल, डी.एस., सामाजिक अनुसंधान, साहित्य पब्लिकेशन्स, आगरा

12. गुप्ता, एम.एल. एवं शर्मा, डी.डी.,(2007) समाजशास्त्र, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा

13. मुकर्जी, रवींद्रनाथ,(1978) सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी, सरस्वती सदन, दिल्ली

14. मुकर्जी,रवींद्रनाथ(2019) सामाजिक शोध व सांख्यिकी, विवेक प्रकाशन 7यू. ए.जवाहर नगर नई दिल्ली

15. राव, सी .एन., शंकर,(2005) समाजशास्त्र, एस. चाँद एंड कंपनी, नई दिल्ली

16. सिंह, श्याम धर (1984) सामाजिक अनुसंधान, कमल प्रकाशन इंदौर

17. सिंह, सुरेंद्र (1975) सामाजिक अनुसंधान, उत्तर प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी

18. शर्मा, वीरेंद्र कुमार (2013) रिसर्च मैथ्योडोलाजी, पंचशील प्रकाशन,जयपुर

Suggestive digital platforms web links :

https://tourism.mp.gov.in/
https://www.india.gov.in/topics/travel-tourism
https://www.iittm.ac.in/

Suggested equivalent online courses :

IGNOU & Other centrally/state operated Universities/ MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks: 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 30marks University Exam (UE) 70 marks

Internal Assessment: Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):30	Class Test Assignment/Presentation	15 15
External Assessment : University Exam Section: 70 Time : 02.00 Hours	**Section(A) :** [illegible] Questions [illegible] **Section (B) :** [illegible] [illegible]	[illegible] [illegible] Total 70

Any remarks/ suggestions:

54

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम : डिप्लोमा पाठ्यक्रम		कक्षा : बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर	सत्र : 2024-25
विषय : समाजशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A2-SOC1T	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सामाजिक शोध की मूलभूत अवधारणाएँ, प्रथम प्रश्न-पत्र	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : कोर पाठ्यक्रम/इलेक्टिव /जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल	मूल पाठ्यक्रम (Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा prerequisite (यदि कोई हो)	यह एक अनिवार्य प्रश्न-पत्र है, जो कि बी.ए. द्वितीय वर्ष के उन सभी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित किया गया है जिन्होंने बी.ए. प्रथम वर्ष में समाजशास्त्र के कोर (मूल) प्रश्न-पत्र पढ़े हैं	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां कोर्स लर्निंग आउटकम (CLO)	यह प्रश्न-पत्र विद्यार्थियों को शोध अंतर्ज्ञान विकसित करने में सहायता करेगा ! इस प्रश्न-पत्र के माध्यम से उन्हें वैज्ञानिक पद्धति की प्रकृति तथा मूल्य तटस्थता को प्राप्त करने के तरीकों की जानकारी प्राप्त होगी! 1. यह प्रश्न-पत्र विद्यार्थियों को यथार्थ के महत्व तथा वस्तुनिष्ठ एवं विश्वसनीय जानकारी एकत्र करने के तरीकों के बारे में शिक्षा देगा। 2. यह उनमें पठन, लेखन तथा तर्क करने की दक्षता विकसित करेगा । 3. इस प्रश्न-पत्र का अभिकल्पन विद्यार्थियों को सामाजिक प्रघटनाओ के वैज्ञानिक अध्ययन से परिचित कराएगा! इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को शासकीय एवं अशासकीय संस्थानों द्वारा संचालित अकादमिक, आधारभूत एवं नीति सम्बन्धी शोध परियोजनाओं में रोजगार के अनेक अवसर प्राप्त होंगे।	
6	क्रेडिट मान	सैद्धांतिक – 6	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक : 30+70	न्यूनतम उत्तीर्णअंक : 33

5.12.24

भाग ब - पाठ्यक्रम की विषय वस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या - ट्यूटोरियल - प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घण्टे में) : 6 L-T-P : 4-0-0		
इकाई	शीर्षक	व्याख्यान की कुल संख्या
प्रथम	सामाजिक शोध एवं सर्वेक्षण 1.भारत में सामाजिक शोध का उदभव 2. वैज्ञानिक पद्धति की अवधारणा 3.अन्तरानुशासनात्मक अभिगम 4. सामाजिक शोध 4.1 अवधारणा एवं उद्देश्य 4.2 प्रकार 4.3 सामाजिक शोध के चरण 4.4 महत्व 5. सामाजिक सर्वेक्षण 5.1 अवधारणा 5.2 प्रकार 5.3 सामाजिक शोध एवं सामजिक सर्वेक्षण में अंतर 6.उपकल्पना 6.1 अवधारणा 6.2 उपकल्पना के स्रोत 6.3 उपकल्पना के निर्माण की कठिनाइयाँ 6.4 महत्व 7.भारत के प्रमुख सामाजिक शोध एवं सर्वेक्षण संस्थान 7.1 सामाजिक शोध के नवीन आयाम	18
सार बिन्दु : सामाजिक शोध, वैज्ञानिक पद्धति, सामाजिक सर्वेक्षण, उपकल्पना, अन्तरआनुशासनात्मक अभिगम।		

5/12/24

5.12.24

द्वितीय	समंक संकलन के स्रोत एवं विधियाँ 1.समंक 1.1 अवधारणा 1.2 प्रकार 1.3 स्रोत : प्राथमिक एवं द्वितीयक 2. तथ्य संकलन की विधियाँ एवं प्रविधियाँ 2.1 संगणना पद्धति : अवधारणा 2.2 निदर्शन पद्धति 2.2.1 अवधारणा 2.2.2 निदर्शन के प्रकार 2.2.3 उपयोगिता एवं सीमाएँ 3. प्रश्नावली : 3.1 अवधारणा 3.2 प्रकार 3.3 प्रश्नावली निर्माण 3.4 उपयोगिता एवं सीमाएँ 4. अनुसूची 4.1 अवधारणा 4.2 प्रकार 4.3 उपयोगिता एवं सीमाएँ 4.4 प्रश्नावली एवं अनुसूची में अंतर	18
सार विन्दु : समंक, संगणना पद्धति, निदर्शन, प्रश्नावली, साक्षात्कार अनुसूची।		

56

5.12.24

तृतीय	समंक संकलन की विधियाँ एवं प्रविधियाँ 1. अवलोकन 1.1 अवधारणा 1.2 प्रकार 1.3 उपयोगिता एवं सीमाएँ 2. साक्षात्कार 2.1 अवधारणा 2.2 प्रकार 2.3 उपयोगिता एवं सीमाएँ 3. वैयक्तिक अध्ययन पद्धति 3.1 अवधारणा 3.2 आधारभूत मान्यताएँ 3.3 वैयक्तिक अध्ययन पद्धति के यंत्र एवं विधियाँ 3.4 उपयोगिता एवं सीमाएँ 4. समाजमिति 4.1 अवधारणा 4.2 इतिहास 4.3 उपयोगिता एवं सीमाएँ 5. अंतर्वस्तु विश्लेषण 5.1 अवधारणा	18
सार बिन्दु : अवलोकन, साक्षात्कार, वैयक्तिक अध्ययन पद्धति, समाजमिति, अंतर्वस्तु विश्लेषण।		
चतुर्थ	समंक का विश्लेषण एवं व्याख्या 1. वस्तुनिष्ठता, विश्वसनीयता और वैधता की अवधारणा 2. संपादन, संकेतन एवं वर्गीकरण की अवधारणा	18

6/12/24 5.12.24

	3. सारणीयन 3.1 अवधारणा 3.2 सारणीयन के नियम 3.3 सारणीयन के प्रकार 3.4 उपयोगिता एवं सीमाएँ 4. प्रतिवेदन लेखन 4.1 अवधारणा 4.2 प्रतिवेदन लेखन की अन्तर्वस्तु एवं चरण 4.3 प्रतिवेदन लेखन की समस्याएँ 4.4 महत्व	
सार बिन्दु : वस्तुनिष्ठता, विश्वसनीयता, वैधता, संकेतन, वर्गीकरण, सारणीयन, प्रतिवेदन लेखन।		
पंचम	सामाजिक शोध में सांख्यिकी का प्रयोग 1. सांख्यिकी की अवधारणा 2. सामाजिक शोध में सांख्यिकी की उपयोगिता एवं सीमाएँ 3. केंद्रीय प्रवृति की माप 3.1 अवधारणा 3.2 महत्व 4. माध्य, मध्यिका एवं बहुलक 4.1 अवधारणा 4.2 गणना 4.3 व्यावहारिक उपयोग 4.4 गुण एवं दोष 5. समंक का चित्रमय प्रदर्शन 5.1 चित्र रचना के नियम 5.2 चित्रों के प्रकार 5.3 चित्रों की उपयोगिता एवं सीमाएँ 6. सामाजिक शोध में कम्प्यूटर का उपयोग 7. एस.पी.एस.एस. (SPSS) - परिचय	18
सार बिन्दु : सांख्यिकी, चित्र, माध्य, मध्यिका, बहुलक, एस.पी.एस.एस.।		

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रन्थ / अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री :

1. Bajpai, S.R., Social Research and Survey, (4th Edition), Kitab Ghar, New Delhi, India
2. Bhandarkar, P.L. and Wilkinson,T.S. (2003) Methodology and Techniques of Social Research, Himalaya Publishing House, Mumbai, Indian
3. Goode,W.J. and Hatt, P.K.(2006) Methods in Social Research, Surjeet Publications, New Delhi, India
4. Kothari, C.R., (2009) Research Methodology, Methods and Techniques, 2nd Revised Edition by New Age International pvt.Ltd., Daryaganj, New Delhi, India
5. Lundberg, George, (1951) Social Research, Green and Company New York, USA
6. Nehru, R.S.S. and Suryanarayan, N.V.S., (2012) Research Methodology, APH Publishing Cı corporation, Delhi, India
7. Saravanavel, P.,(1987) Research Methodology, Kitab Mahal, Allahabad , India
8. Singh , Jaspal,(1994) Introduction to Methods of Social Research, Sterling Publications New Delhi, India
9. Young, P.V.,(1968) Scientific Social Survey and Research, Printice Hall Publication, New Delhi, India
10. आहूजा, राम, (2005) रिसर्च मेथड्स, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर
11. बघेल, डी.एस., सामाजिक अनुसंधान, साहित्य पब्लिकेशन्स, आगरा
12. गुप्ता, एम.एल. एवं शर्मा, डी.डी.,(2007) समाजशास्त्र, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा
13. मुकर्जी, रवींद्रनाथ,(1978) सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी, सरस्वती सदन, दिल्ली
14. मुकर्जी,रवींद्रनाथ(2019) सामाजिक शोध व सांख्यिकी, विवेक प्रकाशन 7 यू.ए.जवाहर नगर नई दिल्ली

Suggestive digital platforms web links :

https://tourism.mp.gov.in/

https://www.india.gov.in/topics/travel-tourism

https://www.iittm.ac.

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन प्लेटफार्म :

IGNOU & Other centrally/state operated Universities

MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ :

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) : अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा(UE) अंक :70

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन(CCE) : 30	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण	15 15 कुल अंक : 30
आकंलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : 75 समय : 02.00 घण्टे	अनुभाग (अ) : [illegible] अ[illegible] (ब) : [illegible] अनुभाग [illegible] प्रश्न [illegible]	[illegible] [illegible] कुल अंक : 70

कोई टिप्पणी / सुझाव :

5.12.24

5/12/24

Part A: Introduction			
Program: Diploma Course	Class: बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर		Session: 2024-25
Subject: Geography			
1.	Course Code	A2 – GEOG1T	
2.	Course Title	*Paper – 1 : Economic Geography*	
3.	Course Type (Core/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/...)	Core course	
4.	Pre-requisite (If any)	To study the course, a student must have passed Certificate Course.	
5.	Course Learning Outcomes (CLO)	After the completion of course, the students will be able to: i. Explain the role of historical, environmental, cultural and other factors responsible for the location and distribution of economic activities. ii. Establish and analyze spatial pattern of economic development. iii. Examine man's economic activities in light of his environment. iv. Learn about the selected industries of Madhya Pradesh.	
6.	Credit Value	Theory – 4	
7.	Total Marks	Max. Marks: 30+70	Min. Passing Marks: 33

Kusum 17/2/2022

5.12.24

5/12/24

Part B: Content of the Course		
Total numbers of lectures (in hours per week): 2 hours per week Total Lectures : 60 hours		
Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
I	CONCEPT OF ECONOMIC GEOGRAPHY: 1. Definition, Scope and Importance 2. Branches and Fundamental Concepts 3. World Resources and their Distribution: Soil, Water and Natural Vegetation 4. Typology of Economic Activities: Primary, Secondary, Tertiary and Quaternary 5. Relationship between Economic Activities and Environment.	12
II	PRIMARY ACTIVITIES: 1. Agriculture: Major Crops – Production, distribution and changing cropping pattern (Wheat, Rice, Cotton, Jute, Tea, Coffee, Sugarcane and Rubber). 2. Marine Resources and Aqua-culture: Major Fishing areas, their production and trade 3. Mining: 3.1. Factors Affecting Exploitation of Minerals 3.2. World Distribution Pattern and Production of Minerals (Iron-ore, Manganese, Bauxite, Copper) 4. Power Resources: Production and World Distribution of Coal, Petroleum, Natural Gas, Hydro-electricity, Non-Conventional Energy sources.	12
III	SECONDARY ACTIVITIES: 1. Manufacturing: Locational factors of Industries and their Relative Significance. 2. Weber's theory of Industrial Location. 3. Types of Industries: Location pattern 4. Development trends of Major Manufacturing Industries (Iron-ore, Textiles, Sugar Industry, Paper & Petro-Chemicals and Fertilizer Industries). 5. Industrial Regions of the World: Special reference to India, USA and Japan 6. Some selected prosperous industries of Madhya Pradesh: Chanderi Saree (Chanderi), Maheshwari saree (Maheshwar), Bherugarh Print (Ujjain), Bagh Print (Dhar), Betel Nut Toys (Rewa), Wooden Toys (Budhni) Brass Articles (Tikamgarh) and Terra Kota Items (Chhatarpur).	12
IV	TERTIARY ACTIVITIES: 1. Transport and Communication: Importance and Geographical factors in their Development 2. Road, Railway, Airway, Waterway and Pipeline Networks and their complementary roles in Regional Development 3. Port and their Hinterlands: Factors of the development of a port and some important ports of the world 4. Development in Communication and Information Technology and their impact on economy and society 5. International Trade and Trade Blocks: 5.1. Factors affecting Trade, Trade Policy	12

Kusum 17/2/2022

	5.2. Major Trade Blocks of the World and World Trade Organization (WTO).	
V.	**ECONOMIC DEVELOPMENT AND ENVIRONMENTAL MANAGEMENT:** 1. World Economic Development: Measurement and Problems 2. Economic Development and Environmental Degradation 3. Food Security, Famine and Nutrition Problems 4. Environmental Conservation and Management 5. Economic Development and Regional Disparity in India 6. Changes in the World Economy in the context of Globalization.	12
	Keywords/Tags: Aquaculture, Hinterlands, Trade Blocks, Food Security, Globalization.	

5.12.24

Kusum 17/2/2022

(64)

Part C: Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Alexandar, John, W,.. Economic Geography, Prentice hall of India, New Delhi, 1998.
2. Chatterjee, S.P: Economic Geography of India, Allied Books Agency Calcutta, 1984.
3. Eckarsley, R.(ed): Markets, the State and environment. McMillan, London, 1995
4. Hamilton. I (ed): Resources and Industries. Oxford University Press New York 1992.
5. Hutchinson Uniersity Library, London, 1963
6. Location in Space: A theoretical Approach to Economic Geography, Harper and row, Publishers, London, 1978.
7. Peach, W.N. & J.A. Constantiam (e d): Zimmerman's World Resources and Industries. Harper and row, New York, 1972.
8. Singh J. and S.S. Dhillon : Agriculture Geography. McGraw Hill, New Delhi.
9. Wheeler, J.O. etalla: Economic Geography. John Wiley, New York 1995
10. कुमार प्रमिला एवं शर्मा श्रीकमल: कृषि भूगोल, म.प्र. हिंदी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
11. श्रीवास्तव, बी. के. : आर्थिक भूगोल, कन्सेप्ट पब्लिकेशन, नई दिल्ली
12. शर्मा, श्रीकमल : मानव एवं आर्थिक भूगोल , म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
13. सिंह, के. एन. एवं सिंह, जे. : आर्थिक भूगोल के मूल तत्व, ज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर , 2001
14. Books published by M.P. Hindi Granth Academy, Bhopal

Suggested equivalent online course:

1. epgp.inflibnet.ac.in
2. Virtual lectures available on YouTube
3. http://www.mphindigranthacademy.org/

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:
Maximum Marks : 100
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30marks University Exam (UE) 70marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):30	Class Test Assignment/Presentation	Total 30
External Assessment : University Exam Section: 70 Time : 03.00 Hours	**Section(A) :** Objective Questions **Section (B) :** Short Questions **Section (C) :** Long Questions	Total 70

<table>
<tr><td colspan="4">भाग 'अ' –परिचय</td></tr>
<tr><td colspan="2">कार्यक्रम: डिप्लोमा कोर्स</td><td>कक्षा: बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर</td><td>सत्र: 2024-25</td></tr>
<tr><td colspan="4">विषय –भूगोल</td></tr>
<tr><td>1.</td><td>पाठ्यक्रम का कोड</td><td colspan="2">A2 – GEOG1T</td></tr>
<tr><td>2.</td><td>पाठ्यक्रम का शीर्षक</td><td colspan="2">प्रश्न पत्र – 1 : आर्थिक भूगोल</td></tr>
<tr><td>3.</td><td>पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)</td><td colspan="2">कोर कोर्स</td></tr>
<tr><td>4.</td><td>पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (यदि कोई हो)</td><td colspan="2">छात्र सर्टिफिकेट कोर्स उत्तीर्ण होना चाहिए</td></tr>
<tr><td>5.</td><td>पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)</td><td colspan="2">इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात छात्र -
1. आर्थिक क्रियाकलापों की अवस्थिति और वितरण को प्रभावित करने वाले उत्तरदायी कारकों को समझ सकेंगे।
2. आर्थिक विकास के स्थानिक प्रतिरूप को स्थापित कर उनका विश्लेषण कर सकेंगे।
3. मानव के वातावरण के परिप्रेक्ष्य में उसकी आर्थिक गतिविधियों का परीक्षण कर पायेंगे।
4. मध्यप्रदेश के चयनित उद्योगों के बारे में जानेंगे।</td></tr>
<tr><td>6.</td><td>क्रेडिट मान</td><td colspan="2">सैद्धांतिक– 4</td></tr>
<tr><td>7.</td><td>कुल अंक</td><td>अधिकतम अंक :30+70</td><td>न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 33</td></tr>
</table>

Kusum 17/2/2022

5.12.24

भाग 'ब' – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह (घंटे में): 2 घण्टे प्रति सप्ताह कुल व्याख्यान : 60 घण्टे		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	आर्थिक भूगोल की विचाराधारा : 1. आर्थिक भूगोल की परिभाषा, विषय क्षेत्र एवं महत्व 2. विभिन्न शाखाएँ तथा आधारभूत विचारधाराएँ 3. विश्व के संसाधन तथा उनका वितरण : मिट्टी, जल तथा प्राकृतिक वनस्पति 4. आर्थिक क्रियाकलाप : प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक तथा चतुर्थक 5. आर्थिक क्रियाकलापों तथा पर्यावरण के मध्य संबंध	12
II	प्राथमिक क्रियाकलाप / गतिविधियाँ : 1. कृषि : प्रमुख फसलें - उत्पादन, वितरण तथा उनका बदलता शस्य प्रतिरूप - गेहूँ, चावल, कपास, जूट, चाय, कॉफी, गन्ना तथा रबर 2. समुद्री संसाधन तथा जलकृषि : प्रमुख मत्स्य प्रदेश, उनका उत्पादन तथा व्यापार 3. खनन : 3.1. खनन व्यवसाय को प्रभावित करने वाले तत् 3.2. प्रमुख खनिजों का विश्व वितरण प्रतिरूप एवं उत्पादन : लौह अयस्क, मैंगनीज, बॉक्साइट एवं तांबा 4. शक्ति - संसाधन : उत्पादन तथा विश्व वितरण - कोयला, खनिज तेल, प्राकृतिक गैस, जल विद्युत तथा गैर-परंतपरागत ऊर्जा स्त्रोत	12
III	द्वितीयक गतिविधियाँ : 1. वस्तु निर्माण उद्योग : स्थानीयकरण के कारक तथा उनका सापेक्षिक महत्व 2. उद्योगों की अवस्थिति संबंधी वेबर का सिद्धांत 3. प्रमुख उद्योग : लोहा इस्पात उद्योग, सूती वस्त्र उद्योग, चीनी उद्योग, कागज उद्योग, पेट्रो रसायन उद्योग तथा उर्वरक उद्योग 4. विश्व के औद्योगिक प्रदेश : भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका तथा जापान का अध्ययन 5. मध्यप्रदेश के चयनित समृद्ध उद्योग- चंदेरी साड़ी (चंदेरी), महेश्वरी साड़ी (महेश्वर), भेरूगढ़ प्रिंट (उज्जैन) बाग प्रिंट (धार), सुपारी के खिलौने (रीवा), लकड़ी के खिलौने (बुधनी), ब्रास का सामान (टीकमगढ़), टेराकोटा का सामान (छतरपुर)	12

5/12/24 05.12.24 5.12.24 Kusum 17/2/2022

IV	तृतीयक गतिविधियाँ : 1. यातायात एवं संचार: महत्व तथा उनके विकास के भौगोलिक कारक 2. सड़क, रेलमार्ग, वायुमार्ग, जलमार्ग तथा पाइपलाईन नेटवर्क का क्षेत्रीय विकास में योगदान 3. बंदरगाह तथा उनका पृष्ठ प्रदेश : बंदरगाहों के विकास के कारक तथा विश्व के प्रमुख बंदरगाह 4. संचार तथा सूचना तकनीकी का विकास तथा उसका समाज और आर्थिक गतिविधियों पर प्रभाव। 5. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार : व्यापार तथा व्यापार क्षेत्र 5.1. व्यापार को प्रभावित करने वाले कारक 5.2. व्यापारिक नीति, प्रमुख व्यापारिक ब्लॉक तथा विश्व व्यापार संगठन (WTO)	12
V	आर्थिक विकास तथा पर्यावरणीय प्रबंधन : 1. विश्व का आर्थिक विकास : मापन तथा समस्याएँ 2. पर्यावरण अवनयन तथा आर्थिक विकास 3. खाद्य सुरक्षा, अकाल एवं पोषण समस्याएँ 4. पर्यावरण संरक्षण तथा प्रबंधन 5. भारत में आर्थिक विकास तथा क्षेत्रीय असंतुलन 6. वैश्वीकरण के संदर्भ में विश्व अर्थव्यवस्था के परिवर्तन	12
	सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग: जलकृषि, पृष्ठ प्रदेश, व्यापार क्षेत्र, खाद्य सुरक्षा, वैश्वीकरण	

05.12.24   5.12.24   Kusum 17/2/2022   5/12/24

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

1. Alexandar, John, W,.. Economic Geography, Prentice hall of India, New Delhi, 1998.
2. Chatterjee, S.P: Economic Geography of India, Allied Books Agency Calcutta, 1984.
3. Eckarsley, R.(ed): Markets, the State and environment. McMillan, London, 1995
4. Hamilton. I (ed): Resources and Industries. Oxford University Press New York 1992.
5. Hutchinson Uniersity Library, London, 1963
6. Location in Space: A theoretical Approach to Economic Geography, Harper and row, Publishers, London, 1978.
7. Peach, W.N. & J.A. Constantiam (e d): Zimmerman's World Resources and Industries. Harper and row, New York, 1972.
8. Singh J. and S.S. Dhillon : Agriculture Geography. McGraw Hill, New Delhi.
9. Wheeler, J.O. etalla: Economic Geography. John Wiley, New York 1995
10. कुमार प्रमिला एवं शर्मा श्रीकमल: कृषि भूगोल, म.प्र. हिंदी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
11. श्रीवास्तव, बी. के. : आर्थिक भूगोल, कन्सेप्ट पब्लिकेशन, नई दिल्ली
12. शर्मा, श्रीकमल : मानव एवं आर्थिक भूगोल , म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
13. सिंह, के. एन. एवं सिंह, जे. : आर्थिक भूगोल के मूल तत्व, ज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर , 2001
14. मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल द्वारा विषय से संबंधित प्रकाशित पुस्तकें

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

1. epgp.inflibnet.ac.in
2. यूट्यूब पर उपलब्ध वर्चुअल व्याख्यान
3. http://www.mphindigranthacademy.org/

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीनपरीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट प्रस्तुतीकरण /(प्रेजेंटेशन)	कुल अंक :30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय -03.00 घंटे	अनुभाग :(अ)वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब)): लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स)): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक 70

5.12.24

5/12/24

Part A: Introduction			
Program: Diploma Course		**Class:** बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर	**Session:** 2024-25
Subject: Geography			
1.	Course Code	**A2 – GEOG1P**	
2.	Course Title	*Practical Paper – 1: Thematic Mapping*	
3.	Course Type (Core/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/...)	Core course	
4.	Pre-requisite (If any)	To study this course, a student must have passed a Certificate Course.	
5.	Course Learning Outcomes (CLO)	After the completion of course, the students will be able to: i. Prepare Thematic maps by using Cartographic Techniques. ii. Comprehend the utility and construction of projections essential for map making. iii. Gain in-depth knowledge of Prismatic Compass Survey.	
6.	Credit Value	Practical - 2	
7.	Total Marks	Max. Marks: 30+70	Min. Passing Marks: 33

5.12.24

Kusum 17/2/2022

5/12/24

Part B: Content of the Course

Total numbers of lectures (in hours per week): 2 hours per week

Total Lectures : 30 x 2 = 60hours

Unit	Topic	No. of Lectures
I	REPRESENTATION OF GEOGRAPHICAL DATA: 1. Meaning and Types 2. Various methods of diagram making. 3. One dimensional, two dimensional and three dimensional diagrams. 4. Graphical representation: Simple, compound and Band graph.	15
II	THEMATIC MAPPING TECHNIQUES: 1. Properties, Uses and Limitations. 2. Point Data: Dot, proportional circle and sphere 3. Line Data: Isopleth and Flow Lines. 4. Areal Data: Choropleth	15
III	PROJECTIONS: 1. Definition, classification, properties and uses. 2. Construction of Projection: 2.1 Zenithal (Polar case) – Gnomonic, Stereographic and Orthographic. 2.2 Conical Projections: Conical projections with two standard parallels and Bonne's projection 2.3 Cylindrical Projections: Equal area and Mercator's projection.	15
IV	PRISMATIC COMPASS SURVEY: 1. Introduction 2. Open and Close Traverse Method. 3. Conversion of whole circle bearing into quardrantal (reduced) bearing 4. Correction of Bearing and correction of closing error by Bowditch Method.	15
	Keywords/Tags: Isopleth, Choropleth, Projection, Bearing.	

5/12/24 5.12.24 Kusum 17/2/2022

Part C: Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Mishra, R.P.: Fundamentals of Cartography (Second Revised and Enlarged Edition). New Delhi, India: Concept Publishing (2014).
2. Monkhouse, F.J. and Wilkinson, H.R.: Maps and Diagrams, London, India: Methuen (1973).
3. Singh, R.L. & Dutta, P.K.: Prayogatmak Bhugol (Hindi), Central Book Depot, Allahabad (2012).
4. Singh, Gopal: Map Work and Practical Geography (4th Edition), Ahmedabad, India: Vikas Publication House(1998).
5. शर्मा, जे.पी. : प्रायोगिक भूगोल, रस्तोगी, मेरठ।
6. सिंह एल.आर.,प्रायोगिक भूगोल, शारदा पुस्तक भवन, इलाहबाद (2011)।

Suggested equivalent online course:

Part D: Assessment and Evaluation			
Suggested Continuous Evaluation Methods:			
Internal Assessment	Marks	External Assessment	Marks
Class Interaction /Quiz		Viva Voce on Practical	
Attendance		Practical Record File	
Assignments (Charts/ Model Seminar / Rural Service/ Technology Dissemination/ Report of Excursion/ Lab Visits/ Survey / Industrial visit)		Table work / Experiments	
TOTAL	30	TOTAL	70

17/2/2022

भाग 'अ' –परिचय			
कार्यक्रम:डिप्लोमा कोर्स	कक्षा: बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर		सत्र: 2024-25
विषय –भूगोल			
1.	पाठ्यक्रम का कोड	A2 – GEOG1P	
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	*प्रायोगिक प्रश्न पत्र - 1: विषयगत (थीमेटिक) मानचित्रण*	
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (यदि कोई हो)	छात्र सर्टिफिकेट कोर्स उत्तीर्ण होना चाहिए	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के बाद छात्र – 1. मानचित्रण तकनीकों का प्रयोग करते हुए थीमेटिक मानचित्रों का निर्माण कर सकेंगे। 2. मानचित्र निर्माण के लिए आवश्यक प्रक्षेपों की उपयोगिता और रचना को समझेंगे। 3. प्रिज़्मेटिक कम्पास सर्वेक्षण की बारीकियों को जानेंगे।	
6.	क्रेडिट मान	प्रायोगिक– **2**	
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक :30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 33

भाग 'ब' – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह (घंटे में): 2 घण्टे प्रति सप्ताह कुल व्याख्यान : 30 x 2 = 60घण्टे		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	भौगोलिक आंकड़ों का प्रदर्शन: 1. अर्थ एवं प्रकार 2. आरेख निर्माण की प्रमुख विधियां 3. एक विमितीय, द्विविमितीय एवं त्रिविमितीय आरेख 4. आरेखीय निरूपण : सरल, मिश्रित एवं पट्टिका ग्राफ	15
II	विषयगत (थीमेटिक) मानचित्रण तकनीक: 1. गुण, उपयोग एवं सीमाएं 2. बिंदु आंकड़ें- बिंदुविधि, समानुपातिक वृत्त एवं गोलाविधि 3. रेखीय आंकड़े- सममान रेखा विधि एवं यातायात परिमाण 4. क्षेत्रीय आंकड़े- वर्णमापी विधि	15
III	प्रक्षेप: 1. परिभाषा, वर्गीकरण, गुण-दोष एवं उपयोग 2. प्रक्षेप की रचना : 2.1. खमध्य प्रक्षेप (ध्रुवीय)- केन्द्रक, त्रिविम एवं लम्बकोणीय 2.2. शक्वांकार प्रक्षेप: एक एवं दो मानक अक्षांश वाला शक्वांकार प्रक्षेप एवं बोन प्रक्षेप 2.3. बेलनाकार प्रक्षेप: समक्षेत्रफल बेलनाकार एवं मर्केटर प्रक्षेप	15
IV	प्रिज्मेटिक कम्पास सर्क्षेक्षण: 1. परिचय 2. खुला एवं बंदमाला रेखाविधि से सर्क्षेक्षण 3. पूर्णवृत्त से वृत्तपादीय (समानीत दिक्मान में परिवर्तित करना) 4. दिक्मान संशोधन एवं समापन त्रुटि का निराकरण- बाउडिच विधि	15
	सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग: सममान रेखा मानचित्र, वर्णमापी विधि, प्रक्षेप, दिक्मान.	

Kusum 17/2/2022

5.12.24

5/12/24

Part C: Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Mishra, R.P.: Fundamentals of Cartography (Second Revised and Enlarged Edition). New Delhi, India: Concept Publishing (2014).
2. Monkhouse, F.J. and Wilkinson, H.R.: Maps and Diagrams, London, India: Methuen (1973).
3. Singh, R.L. & Dutta, P.K.: Prayogatmak Bhugol (Hindi), Central Book Depot, Allahabad (2012).
4. Singh, Gopal: Map Work and Practical Geography (4th Edition), Ahmedabad, India: Vikas Publication House(1998).
5. शर्मा, जे.पी. : प्रायोगिक भूगोल, रस्तोगी, मेरठ।
6. सिंह एल.आर.,प्रायोगिक भूगोल, शारदा पुस्तक भवन, इलाहबाद (2011)।
7. Books published by M.P. Hindi Granth Academy, Bhopal

Suggested equivalent online course:

http://www.mphindigranthacademy.org/

Part D: Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Internal Assessment	Marks	External Assessment	Marks
Class Interaction /Quiz		Viva Voce on Practical	
Attendance		Practical Record File	
Assignments (Charts/ Model Seminar / Rural Service/ Technology Dissemination/ Report of Excursion/ Lab Visits/ Survey / Industrial visit)		Table work / Experiments	
TOTAL	30	TOTAL	70

5.12.24

5/12/24

Part A Introduction		
Program: Diploma	Class: बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर	ion: 2024-25
Subject: Psychology		

1	Course Code	A2-PSYC1T
2	Course Title	Psychopathology
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational)	Core Course
4	Pre-requisite (if any)	To study this course, a student must have had Completed BA I year certificate course in Psychology.
5	Course Learning outcomes (CLO)	1. Students will be able to critically assess the information related to the study of behavior and mental processes. 2. Students will gain knowledge about causes, types, and prevention of abnormal behavior. 3. Students will be able to compare biological, psychological and social views of abnormal behavior. 4. Students will be able to impart basic knowledge of characteristics of specific anxiety, mood, and personality, psychotic and psychosomatic disorders. 5. Students will be able to utilise the acquired knowledge in the area of specific learning disabilities.
6	Credit Value	4
7	Total Marks	Max. Marks: 30+70 Min. Passing Marks:33

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):
L-T-P:

Unit	Topics	No. of Lectures
1	**Psychopathology- Nature and Classification** - Nature, Concept of Normality and Abnormality, Models of Psychopathology, Classification of Mental Disorders-DSM V	12
2	**Anxiety Disorders-** Symptoms, causes and treatment of Generalized Anxiety Disorder, Phobic disorders, Obsessive-Compulsive Disorder, and Post-traumatic Stress Disorder.	12
3	**Personality Disorders and Schizophrenia** Personality Disorders- Symptoms, causes and treatment of Cluster A, Cluster B and Cluster C Personality Disorders. Schizophrenia-Symptoms, causes, its types and treatment.	12

5.12.24

5/12/24

4	**Psychosomatic Disorders and Mood Disorders** Psychosomatic Disorders- Conversion and Dissociative Disorders ,its types, symptoms, causes and treatment. Mood disorders- , Manic State, Depressive State and Bipolar Disorders, its causes ,symptoms and treatment	12
5	**Pervasive Developmental Disorders-** Mental Retardation-its causes and types. Specific Learning Disabilities-its types and features.	12
	Keywords/Tags: 1. Psychopathology 2. Anxiety Disorders 3. Psychotic Disorders 4. Psychosomatic Disorders 5. Mood Disorders 6. Pervasive Developmental Disorders 7. Personality Disorders	

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Carson, R., Butcher, J., Mineka, S. (2000) Abnormal Psychology & Modern Life, Eleventh Edition, Pearson Education
2. Oltamanns, T., Emery, R. (1995) Abnormal Psychology, Prentice Hall, New York
3. सिंह, ऐ के (2016) आधुनिक असामन्य मनोविज्ञान, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी
4. सुलेमान, एम, कुमार दिनेश (2014) मनोरोग विज्ञान, मोतीलाल बनारसी दास, पटना

Part-D : Assessment and Evaluation (Theory)

Suggested Continuous Evaluation Methods :

Maximum Marks : **100**; CCE : **30** , University Exam (UE) : **70**

Internal Assessment: Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 30	Class Test, Assignment/Presentation	Total 30
External Assessment : University Exam Section: 70 Time : 03.00 Hours	Section (A) : Objective Type Questions	
	Section (B) : Short Questions	
	Section (C) : Long Questions	
	Total	70

5.12.24

भाग - अ परिचय			
कार्यक्रम डिप्लोमा		कक्षा : बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर सत्र 2024-25	
विषय मनोविज्ञान:			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A2-PSYC1T	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	मनोव्याधिकी	
3	पाठ्यकम का प्रकार (कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक/इलेक्टिव /वोकेशनल	कोर कोर्स	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदिकोईहो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिये छात्र ने बी.ए. प्रथम वर्ष मनोविज्ञान में सार्टिफिकेट किया हो।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. विद्यार्थी व्यवहार एवं मानसिक प्रक्रियाओं के अध्ययन की आलोचनात्मक जानकारी प्राप्त कर सकेगा। 2. विद्यार्थी असामन्य व्यवहार के कारण, उपचार एवं रोकथाम सम्बंधी जानकारी प्राप्त कर सकेगा। 3. विद्यार्थी आसामान्य व्यवहार के जैविक, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण के तुलनात्मक अध्ययन से सम्बंधित ज्ञान प्राप्त कर सकेगा। 4. विद्यार्थी विशिष्ट चिंता मूढ़ व्यक्तित्व विकृति, मनोविक्षिप्तता एवं मनोदैहिक विकृतियाँ सम्बंधी ज्ञान प्राप्त कर सकेगा। 5. विद्यार्थी विशिष्ट अधिगम अयोग्यताओं के क्षेत्र में अर्जित ज्ञान का उपयोग कर सकेगा।	
6	केडिटमान	4	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक 30+70	न्यूननतम उत्तीर्ण अंक : 33

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– ट्यूटोरियल–प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घण्टे में) : L-T-P:

इकाई एक	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	मनोव्याधिकी– प्रकति एवं वर्गीकरण – प्रकृति, सामान्यता एवं असामान्यता का प्रत्य, मनोव्याधिकी के प्रारूप, मानसिक विकृतियों का वर्गीकरण– DSM – V	12
2	चिंता मनोविकृति– सामानियकृत चिंता, मनोविकृति के लक्षण, कारण एवं उपचार, असंगत भय विकृति, मनोग्रस्तता–बाध्यता विकृति एवं उत्तर आघातीय तनाव विकृति	12
3	व्यक्तित्व विकृतियाँ एवं मनोविदिलता– व्यक्तित्व विकृतियाँ–लक्षण, कारण एवं समूह अ, समूह ब और समूह स व्यक्तित्व विकृति का उपचार, मनोविदिलता– लक्षण, कारण, प्रकार एवं इसका उपचार	12
4	मनोदैहिक विकृतियाँ एवं मनोदशा विकृतियाँ– मनोदैहिक विकृतियाँ– रूपांतरित एवं वियोजनात्मक विकृतियाँ, इनके प्रकार, लक्षण, कारण एवं उपचार मनोदशा विकृतियाँ– उत्साह की अवस्था, विषाद की अवस्था, द्विध्रुवी विकृति, इसके कारण, लक्षण एंव उपचार	12
5	व्यापक विकासात्मक विकृतियाँ– मानसिक मंदता– इसके कारण एंव प्रकार, विशिष्ट अधिगम अयोग्यतायें– इनके लक्षण एवं प्रकार	12

5/12/24 5.12.24

सारबिन्दु (की वर्ड/टेग)
1. मनोव्याधिकी
2. चिंता विकृति
3. मनोविक्षप्ता विकृति
4. मनोदेहिक विकृतियॉं
5. मनोदशा विकृतियां
6. व्यापक विकासात्मक विकृतियॉं
7. व्यक्तित्व विकृतियॉं।

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तके, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रंथ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री

1. Carson, R., Butcher, J., Mineka, S. (2000) Abnormal Psychology & Modern Life, Eleventh Edition, Pearson Education
2. Oltamanns, T., Emery, R. (1995) Abnormal Psychology, Prentice Hall, New York
3. सिंह, ऐ के (2016) आधुनिक असामान्य मनोविज्ञान, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी
4. सुलेमान, एम, कुमार दिनेश (2014) मनोरोग विज्ञान, मोतीलाल बनारसी दास, पटना

2 अनुशंसित डीजिटल प्लेटफार्म वेवलिंग

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाईन पाठ्यकम

भाग द अनुशंसित मूल्यांकन विधियॉं

अनुशंसित सतत मूल्याकन विधियां
अधिकतम अंक :100
सतत व्यापक मुल्यांकन (CCE) अंक: 30 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	कुल अंक :30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग (ब): लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक 70

5/12/24

5.12.24

Part A Introduction		
Program: Diploma	Class` बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर	Session: 2024-25

		Subject: Psychology	
1	Course Code	A2-PSYC1P	
2	Course Title	Psychopathology Practicum	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational)	Core	
4	Pre-requisite (if any)	To study this course, a student must have had the subject BA I Certificate in Psychology	
5	Course Learning outcomes (CLO)	1. Students will be able to critically assess the information related to the study of behaviour and mental process. 2. Students will gain knowledge about causes types and prevention of abnormal behavior causes. 3. Students will be able to compare biological, psychological and social views of abnormal behaviour. 4. Students will be able to impart basic knowledge of characteristics of specific anxiety, mood, personality, psychotic and Psychosomatic disorders. 5. Students will be able to utilise the acquired knowledge in the area of specific learning disabilities.	
	Credit Value	2	
7	Total Marks	Max. Marks: 30+70	Min. Passing Marks:33

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):
L-T-P:

Unit	Topics	No. of Lectures
Part A (Any Four)	TESTS 1. Stress Test 2. Anxiety Test 3. Depression Test 4. Sentence Completion Test 5. Frustration Test 6. Mental Health Test	5 5 5 5 5 5
Part B (Any two)	Activities 1. Visit to Special School 2. Visit to Mental Hospital 3. Visit to Rehabilitation center 4. Visit to Yoga Centre	5 5 5 5

Keywords/Tags:
Stress, Depression, Personality, Mental Health, Anxiety.

5.12.24

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Carson, R., Butcher, J., Mineka, S. (2000) Abnormal Psychology & Modern Life, Eleventh Edition, Pearson Education
2. Oltamanns, T., Emery, R. (1995) Abnormal Psychology, Prentice Hall, New York
3. सिंह, ऐ के (2016) आधुनिक असामन्य मनोविज्ञान, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी
4. सुलेमान, एम, कुमार दिनेश (2014) मनोरोग विज्ञान, मोतीलाल बनारसी दास, पटना

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods: It is compulsory to get minimum passing marks in Internal and External Assessment separately.

Internal Assessment	Marks	External Assessment	Marks
Class Interaction /Quiz		Viva Voce on Practical	
Attendance		Practical Record File	
Assignments (Charts/ Model Seminar / Rural Service/ Technology Dissemination/ Report of Excursion/ Lab Visits/ Survey / Industrial visit)		Table work / Experiments	
TOTAL	30		70

5.12.24

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम डिप्लोमा	कक्षा बी.ए. बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर		सत्र 2024-25
विषय मनोविज्ञान			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A2-PSYC1P	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	मनोव्याधिकी	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक/इलेक्टिव/वोकेशनल	कोर कोर्स	
4	पूर्वा पेक्षा (Prerequisite) (यदिकोईहो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिये छात्र ने बी.ए. प्रथम मनोविज्ञान में सार्टिफिकेट किया हो।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (कोर्स लंर्निग आउटकम (CLO)	1. विद्यार्थी व्यवहार एवं मानसिक प्रक्रियाओं के अध्ययन की आलोचनात्मक जानकारी प्राप्त कर सकेगा। 2. विद्यार्थी असामन्य व्यवहार के कारण, उपचार एवं रोकथाम सम्बंधी जानकारी प्राप्त कर सकेगा। 3. विद्यार्थी आसामान्य व्यवहार के जैविक, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण के तुलनात्मक अध्ययन से सम्बंधित ज्ञान प्राप्त कर सकेगा। 4. विद्यार्थी विशिष्ट चिंता मूढ़ व्यक्तित्व विकृति, मनोविक्षिप्तता एवं मनोदैहिक विकृतियाँ सम्बंधी ज्ञान प्राप्त कर सकेगा। 5. विद्यार्थी विशिष्ठ अधिगम अयोग्यताओं के क्षेत्र में अर्जित ज्ञान का उपयोग कर सकेगा।	
6	केडिट मान	2	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या –ट्यूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घण्टे मे) : **L-T-P:**

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
भाग अ (कोई चार)	परीक्षण 1. प्रतिबल परीक्षण 2. चिंता परीक्षण 3. विषाद परीक्षण 4. वाक्य पूर्ति परीक्षण 5. नैराश्य परीक्षण 6. मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण	 5 5 5 5 5 5
भाग - ब (कोई दो)	गतिविधियाँ 1. विशिष्ट विद्यालय में भ्रमण 2. मानसिक चिकित्सालय में भ्रमण	 5 5
	3. पुर्नवास केन्द्र में भ्रमण 4. योगा केन्द्र में भ्रमण	5 5

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रंथ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री

Carson, R., Butcher, J., Mineka, S. (2000) Abnormal Psychology & Modern Life, Eleventh Edition, Pearson Education

Oltamanns, T., Emery, R. (1995) Abnormal Psychology, Prentice Hall, New York

सिंह ए.के. 2016 आधुनिक असामान्य मनोविज्ञान, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी |

सुलेमान एन कुमार दिनेष (2014) मनोरोग विज्ञान, मोतीलाल बनारसी दास, पटना

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods: It is compulsory to get minimum passing marks in Internal and External Assessment separately.

Internal Assessment	Marks	External Assessment	Marks
Class Interaction /Quiz		Viva Voce on Practical	
Attendance		Practical Record File	
Assignments (Charts/ Model Seminar / Rural Service/ Technology Dissemination/ Report of Excursion/ Lab Visits/ Survey / Industrial visit)		Table work / Experiments	
TOTAL	30		70

5.12.24

Theory Paper

Part: A Introduction			
Program: Diploma		Class:बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर **Session: 2024-25**	
Subject: Philosophy			
1	**Course Code**	A2-PHIL1T	
2	**Course Title**	***Logic (Western and Indian)***	
3	**Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/....)**	**Major-I**	
4	**Pre-requisite**	It is mandatory for students applying for this course to have studied Philosophy subject at Certificate level.	
5	**Course Learning outcomes (CLO)**	Students would be able to- 1. Enhance Logical Thinking. 2. Understand Difference between Indian and WesternLogic. 3. Develop Logical Thinking skill to crack Competitive Examination.	
6	**Credit Value**	6	
7	**Total Marks**	Max. Marks: 30+70	Min. Passing Marks: 33

Part B- Content of the Course		
Total No. of Lectures - 90, Tutorials- 0, Practical-0 **L-T-P:** 3-0-0 **(in hours per week):**		
Unit	Topics	No. of Lectures
I	**Introduction to Logic** 1. Meaning of Logic, Inference, Reasoning and Argument, Argument and Proposition, Premisses and Conclusion, Induction and Deduction, Truth, Validity and Soundness, Laws of Thought. 2. Purpose of Definition, Types of Definition, Rules for Definition. 3. Informal Fallacies. **Keyword:** Induction, Deduction, Soundness, Definition.	18
II	**Categorical Proposition** 1. Categorical Proposition and Class, Quality, Quantity and Term Distribution, Traditional Square of Opposition. 2. Immediate Inference - Conversion, Obversion and Contraposition, Existential Import. 3. Symbolism and Diagrams for Categorical Propositions. **Keyword:** Categorical Proposition, Conversion, Obversion, Contraposition, Existential Import.	18
III	**Categorical Syllogism** 1. Categorical Syllogism- Standard form of Categorical Syllogism, Mood and Figures, Rules and Fallacies of Categorical Syllogism, Venn Diagram Technique for Testing the Validity of Categorical Syllogism. 2. Dilemma. **Keyword:** Categorical Syllogism, Venn Diagram, Mood, Figures, Dilemma.	18

5.12.24

IV	**Mill's Methods & Scientific Explanation** 1. Mill's methods of Experimental Inquiry, Criticismof Mill's Method. 2. Science and Hypothesis, Scientific and Nonscientific Explanation. 3. Probability, Elementary Probability Calculus. **Keyword:** Mill's Methods, Hypothesis, Scientific Explanation, Probability.	18
V	**Indian Logic** 1. Characteristics of Indian Logic. 2. Theories of Inference in Nyaya, Buddhism and Jainism- Definition, Constituent, Process and Type, Paksata, Paramarsh and Vyapti. 3. Hetvabhasa and types of Hetvabhasa. 4. Importance of Chhala, Jati and Nigrahsthan of Nyaya Darshan. **Keyword:** Indian logic, Anumaan (inference),Paramarsh, Vyapti, Hetvabhasa, Nigrahsthan.	18

Keywords/Tags:

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Copi, I.M., "Introduction to Logic", Macmillan International, New York-USA, 1978, 6th Edition.
2. Jeffery, Richard, "Formal Logic its scope and limits", Tata McGraw Hill Publishing CompanyLimited, New Delhi, 1980.
3. Chatterjee, S.C., "The Nyaya Theory of Knowledge", University of Calcutta, 1978.
4. F.Th. Stcherbatsky, "Buddhist Logic", Vol. 1 & 2. Motilal Banarsidas, 2003.
5. Hemchandra, "Praman Mimansa", Sarswati Pustak, Bhandar, Ahmadabad, 1989.
6. Barlingay, S.S., "A Modern Introduction to Indian Logic", Orient book distributors, 1976.
7. Yasovijaya, "Jaina Tarka Bhasha", Sarswati Oriental series, New Delhi, 1993.

Suggestive digital platforms web links: Date – 14/06/2021

1. www.onlinestanford.edu
2. https://www.mooc-list.com/
3. www.classcentral.com
4. www.edx.org

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:
Maximum Marks : 100
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30 marks University Exam (UE) 70 marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):30	Class Test Assignment/Presentation	15 15
External Assessment : University Exam Section: 70 Time : 03.00 Hours	**Section(A) :** [illegible] Objective Questions ([illegible]) **Section (B) :** [illegible] Short Questions (200 Words Each) **Section (C) :** [illegible] Long Questions (500 Words Each)	[illegible] [illegible] [illegible] Total 70

Any remarks/ suggestions:

5.12.24

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: डिप्लोमा		कक्षा बी.ए. बी.एड. तृतीय सेमेस्टर	: 2024-25
विषय: दर्शनशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A2-PHIL1T	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	*तर्कशास्त्र (पाश्चात्य एवं भारतीय)*	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :	*मेजर*-1	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए यह अनिवार्य है कि छात्र ने दर्शनशास्त्र विषय का अध्ययन प्रमाण पत्र स्तर पर किया हो।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. छात्र तार्किक चिंतन विकसित कर सकेगा। 2. छात्र भारतीय एवं पाश्चात्य तर्क के भेद को जान सकेगा। 3. छात्र तार्किक चिंतन विकसित करके प्रतियोगी परीक्षा में सफल हो सकेगा।	
6	क्रेडिट मान	6	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- 90, ट्यूटोरियल-0, प्रायोगिक-0,

L-T-P: 3-0-0 (प्रति सप्ताह घंटे में)

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
प्रथम	तर्कशास्त्र का परिचय 1. तर्कशास्त्र का अर्थ, अनुमान, तर्क और युक्ति, युक्ति और तर्कवाक्य आधारवाक्य और निष्कर्ष, आगमन और निगमन, सत्यता, वैधता और सुतर्क, विचार के नियम। 2. परिभाषा के उद्देश्य, परिभाषा के प्रकार, परिभाषा के नियम। 3. अनौपचारिक तर्क दोष। कुंजीशब्द: आगमन, निगमन, सुतर्क, परिभाषा।	18
द्वितीय	निरपेक्ष तर्कवाक्य 1. निरपेक्ष तर्कवाक्य और वर्ग, गुण, परिमाण और पद व्याप्ति, परंपरागत विरोधवर्ग। 2. अव्यवहित अनुमान – परिवर्तन, प्रतिवर्तन और प्रतिपरिवर्तन, सत्तात्मक तात्पर्य। 3. निरुपाधिक तर्कवाक्यों के लिए प्रतीक और रेखांकन। कुंजीशब्द: निरपेक्ष तर्कवाक्य परिवर्तन, प्रतिवर्तन और प्रतिपरिवर्तन, सत्तात्मक तात्पर्य।	18

डॉ. विनीता अवस्थी अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल दर्शनशास्त्र 5.12.23

तृतीय	**निरपेक्ष न्याय युक्ति** 1. निरपेक्ष न्याय युक्ति - निरपेक्ष न्याय युक्ति का मानक आकार, अवस्था और आकृति, निरपेक्ष न्याय युक्ति के नियम और दोष, वेन रेखाचित्र द्वारा निरपेक्ष न्याय युक्ति की वैधता की जांच । 2. उभयत: पाश । **कुंजीशब्द:** निरपेक्ष न्याय युक्ति, वेन रेखाचित्र, अवस्था और आकृति, उभयत: पाश ।	18
चतुर्थ	**मिल की विधियाँ एवं वैज्ञानिक व्याख्या** 1. प्रायोगिक अनुसंधान के लिये मिल की पद्धतियाँ , मिल की पद्धति की समालोचना । 2. विज्ञान और प्राक्कल्पना, वैज्ञानिक और अवैज्ञानिक व्याख्या । 3. प्रसम्भाव्यता, आरंभिक प्रसम्भाव्यता गणन । **कुंजीशब्द:** मिल की पद्धतियाँ, प्राक्कल्पना, वैज्ञानिक व्याख्या, प्रसम्भाव्यता ।	18
पंचम	**भारतीय तर्कशास्त्र** 1. भारतीय तर्कशास्त्र की विशेषताएं । 2. न्यायदर्शन, बौद्ध दर्शन और जैन दर्शन में अनुमान के सिद्धांत - परिभाषा, संघटक,प्रकिया और प्रकार, पक्षता, परामर्श और व्याप्ति । 3. हेत्वाभास और हेत्वाभास के प्रकार । 4. न्यायदर्शन के छल , जाति और निग्रहस्थान का महत्व । **कुंजीशब्द:** भारतीय तर्कशास्त्र, अनुमान, परामर्श, व्याप्ति, हेत्वाभास, निग्रहस्थान ।	18
सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:		
	भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन	

अनुशंसित सहायक पुस्तकें :

1. पाण्डेय, संगम लाल और मिश्र गोरखनाथ, "तर्कशास्त्र का परिचय", (कोपी का हिंदी अनुवाद), एशिया बुक कंपनी, इलाहाबाद, 1995 ।
2. तिवारी,केदारनाथ – 1. "आगमन तर्कशास्त्र", मोतीलाल बनारसीदास,नई दिल्ली, 2000 ।
   2. "निगमन तर्कशास्त्र", मोतीलाल बनारसीदास,नई दिल्ली, 2000 ।
   3. "तर्कशास्त्र का परिचय", मोतीलाल बनारसीदास,नई दिल्ली, 2016 ।
3. तिवारी,केदारनाथ, "भारतीय तर्कशास्त्र", मोतीलाल बनारसीदास,नई दिल्ली, 2016 ।
4. वर्मा,अशोक कुमार – 1. "सरल आगमन तर्कशास्त्र", मोतीलाल बनारसीदास,नई दिल्ली, 1996 ।
   2. "सरल निगमन तर्कशास्त्र", मोतीलाल बनारसीदास,नई दिल्ली, 2016 ।
5. अग्रवाल,राजश्री, "तर्कशास्त्र" , म. प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी , भोपाल ।
6. बिजल्वान,चक्रधर, "भारतीय न्यायशास्त्र", उ.प्र. हिंदी संस्थान, लखनऊ ।

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक :

1. www.onlinestanford.edu
2. https://www.mooc-list.com/
3. www.classcentral.com
4. www.edx.org

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां: अधिकतम अंक: 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70		
आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 15 कुल अंक :30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): वस्तुनिष्ठ प्रश्न ([illegible] अनुभाग (ब): [illegible]घु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द) अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	[illegible] [illegible] [illegible] कुल अंक 70
कोई टिप्पणी/सुझाव:		

(डॉ. विनीता अवस्थी)
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मंडल
दर्शनशास्त्र

5/12/24

5.12.24

(87)

(80)

SEMESTER - III

CC. 5 : EDUCATION POLICIES SCHOOL LEADERSHIP AND MANAGEMENT

Objectives :–

- To develop perception of the role and function of a teacher as envisaged in the NPE 1986 and to familiarizethe student teacher with the different projects and schemes at secondary level in Madhya Pradesh
- To develop an understand of the brief historical background of Indian Education with special reference to secondary education
- To acquire elementary knowledge of educational administration and management.

Unit-I : Educational Policies

- General aims and objectives of educational policies in reference of secondary education.
- Different education policies during pre and post – independence period wood dispatch, maqualey minutes, wardh summit, Indian Act -1935, Basic Shiksha (बुनियादी शिक्षा) and mudaliar Commission Taleem. Radha Krishnan commission, Kothari Commission, NPE-1986, NPE amended 1992, Sarva Shiksha Abhiyan and RTE-2010

Unit-II : School Curriculum

- Main features of secondary school curriculum and the process of curriculum development.
- General principles of school curriculums
- Critical analysis of secondary school curriculum in context of Madhya Pradesh

Unit - III : Leadership

- Leadership in school : Concept need and importance of leadership, Dimension and style of leadership at secondary levels. Role of leadership in school effectiveness.
- Implementation of leadership at secondary level issues and challenges.
- Types, styles problems of leadership role of school Head Master/Principal in institutional planning.

5/12/24

5.12.24

88

(3)

Unit - IV : Education Management

- Concept, need, characteristics, principles of educational management.
- Basic of management – planning, organization, control decision making and financing.
- Prevailing education management pattern in Madhya Pradesh

Unit - V : Function of Management

- Time management – Principles and Importance of time management in school curricular and co curricular activities.
- Resource management – Different types of resources at school level maximum optimization of resources

Reference :-

- Agrawal, J.C., 2005 : Nai Shiksha Nati, Prabhat Prakashan, New Delhi
- Bhatnagar, R.P., Vidhya Shaikishik Prashan, Engle Book Depot, Meerut
- NCERT (1998) : School Mapping, New Delhi
- NIEPA (1988) : School mapping, New Delhi • Saxena, N.R.: Swaroop : Shikshan kala evam Padhtiyan Loyal Book Depot, Meerut.
- Combs P.H. (1970) : What is education planning ? IIEP (Unesco) Paris
- Hardy C. & Altcin R. (1986) : Understanding school as organization, Penguin, London
- Naik J.P. (1970) : On Planning, Asia Institute for Educational planning & Administration, New Delhi

5/12/24

5.12.24

CC 6 : GENDER, SCHOOL AND SOCIETY

Course Objectives:

To enable the Student Teacher to:

1. To acquaint the student teachers with the concept of gendered roles in society and their challenges.
2. To develop an understanding of the inequality and disparities in equal opportunities in education in societal context.
3. To enable the student teachers to critically examine the stereotypes and rethink their beliefs.
4. To help student teachers to develop abilities to handle notion of gender and sexuality.

Course Contents:

UNIT - I : Gender Issues: Key Concepts

1. The meaning and concept of gender and experience of gender in across different social groups, regions and time-periods. Challenges in gendered roles in society: Family, caste, religion, culture, the media and popular culture (films, advertisements, songs etc.), law and the state.
2. Unequal access of education to girls; access to schools; gender identity construction at home and in society.
3. Indian societal context: Power and authority in Indian Social System (patriarchy). Socialization of child into a specific gender influences, and opportunities for education.

UNIT - II : Gender Challenges and Education

4. Challenging gender inequalities or reinforcing gender parity: The role of schools, peers, teachers, curriculum and textbooks, etc.
5. Representation of gendered roles, relationships and ideas in textbooks and curricula.
6. Schools nurture or challenge creation of young people as masculine and feminine selves.

UNIT - III : Gender Issues and Role of Teacher

7. Counseling and Guidance: Teachers' need help to develop abilities to handle notions of gender and sexuality, (often addressing the issues under diverse cultural constraints, their own and their students', instead of shying away from the same.)

5.12.24

8. Sex Education: Perceptions of safety at school, home and beyond (The formulation of positive notions of sexuality among young people impact larger issues).

9. Identification of sexual abuse/violence and its verbalisation, (combating the dominant societal outlook of objectification of the female body, and so on.)

UNIT - IV : Role of the Media and Life Skills Education

10. Role of the media in propagation of popular beliefs, reinforcing gender roles in the popular culture and by implication, at school.

11. Life Skills courses in school: provisions to deal with some issues of gender identity roles and performativity for the development of positive notions of body and self.

12. Gender equality Education: of regions and exploring the roles of the institutions (family, caste, religion, culture, media and popular culture, law and the state).

Assignment:

1. Group Discussion: B.Ed. students will observe and study the distribution of roles and responsibilities in schools and classrooms, rituals and school routines, processes of disciplining distinctly as for girls and boys, and in classroom interaction. Studying the everyday activities where the majority of girls constitute the assembly choir group and the boys form the inter-school cricket team; girls partnered to be seated with other girl students and boys with boys; sciences associated with boys and humanities with girls; art and craft considered to be the domain of the girls and physical education that of the boys; etc. Teachers need to question such stereotypes and help students rethink their beliefs. Why these issues are delineated only for supplementary extra-curricular periods in school and not integrated into subjects of study need to be discussed.
2. Group work& activities, brainstorming, audio-visual presentations: prospective teachers to attend and themselves undertake sessions of open verbalization with school students, voluntary cum friendly involvement in discussions, , together with the co-participation of school (teachers, counselors and other resources), home (parents and siblings) and society (NGOs, other expert groups, etc.).
3. Assignments and Projects: Student-teachers will be exposed and trained to prepare pedagogic material and practice a pedagogy which can develop abilities and confidence in their students to critically evaluate and challenge gender inequalities, while being sensitive to social groups and

5/12/24

5.12.24

EPC I : READING AND REFLECTING ON TEXTS

Objectives

- To enable the students to read and response to a Varity of text in different ways
- To develop Meta cognitive awareness
- To enhance the capacities as readers and writers by becoming participants in the process of reading
- To enable the student teachers to work on the field and make predictions and check their predictions and then to summarize.

Unit - I : Reading Skills

- Creating environment for reading – reading clubs, class libraries
- Reading aloud and silent reading
- Scaffolding: concept and activities
- Reading different texts types like stories, poems, riddles, jokes, and instructions for games

Unit - II : Reading with comprehension

- Reading for global and local comprehension
- Inferences, analysis and extrapolation
- Reading strategies including word-attack strategies
- Discourse analysis
- Using reading as a tool for reference skills i.e. use of dictionary, encyclopaedia and internet
- Using ideas of critical literacy to analyse chapters from textbooks.
- Acquisition of Reading Skills

Unit - III : Types of text

- Narrative text
- Expository
- Autobiographical Narratives
- Field Notes

5/12/24

5.12.24

- Ethnographies
- Addressing different types of skills and strategies

Mode of Transaction

- Participating in tasks and activities to improve proficiency in the receptive and productive skills of English.
- Text analysis of school textbooks to improve skills in critical literacy.
- Reflecting on one"s own learning to make connections with pedagogy.

Essential Readings

1. Lightbown, P. M & Spada, N. (1999). How Languages are Learned Oxford: Oxford University Press
2. Maley, A. & Duff, A. (1991). Drama techniques in language learning: A resource book of communication activities for language teachers (2nd ed.). Cambridge: Cambridge University Press.
3. Morgan, J. & Rinvolucri, M. (1983). Once upon a time: Using stories in the language classroom. Cambridge:. Cambridge University Press.
4. Wright, A. (1989). Pictures for Language Learning. Cambridge: Cambridge University Press.

Advanced Readings

1. Parrot M. (1993). Tasks for language teachers Cambridge: Cambridge University Press
2. Richards, J. & Lockhart, C. (1994). Reflective Teaching in Second Language Classrooms. Cambridge: Cambridge University Press
3. Slatterly, M. & Willis, J. (2001). English for primary teachers: A handbook of activities & classroom language. Oxford: Oxford University Press

5.12-24